E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 295 | गुवाहाटी | सोमवार, 1 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पश्चिम बंगाल में आज होगा मंत्रिमंडल विस्तार, 35 नए मंत्री लेंगे शपथ : मुख्यमंत्री — पेज 2

माई भारत देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचेगा : मनसुख मांडविया — पेज 3

पीएम के विचार देशवासियों में कर्तव्यबोध और आत्मविश्वास का संचार ... — पेज 5

वलसाड के राहुल जाखड़ ने एशियन यू-20 एथलेटिक्स में डेकाथलान का ... — पेज 7

सीएम ने विदेशमंत्री के साथ *एक्ट ईस्ट पॉलिसी* और क्षेत्रीय व्यापार के मौकों पर चर्चा की

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने केंद्र की *एक्ट ईस्ट पॉलिसी* को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की, साथ ही पड़ोसी देशों के साथ व्यापार और पर्यटन संबंधों को बढ़ाने में असम की संभावित भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया। विदेश मंत्री के सरकारी आवास पर हुई इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर साझा करते हुए शर्मा ने इस बातचीत को बेहद ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने कहा कि वैश्विक मामलों पर -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ. शर्मा ने राजनाथ सिंह के साथ मुलाकात कर रक्षा क्षेत्र में राज्य की स्थिति को लेकर मार्गदर्शन मांगा

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और देश के रक्षा इकोसिस्टम में असम को एक अहम खिलाड़ी के तौर पर स्थापित करने के तरीकों पर चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी देते हुए शर्मा ने कहा कि इस वरिष्ठ नेता से मिलना *हमेशा कुछ नया सीखने जैसा* होता है और उन्होंने एक प्रशासक, जनसेवक और पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर सिंह के अनुभव की तारीफ की। मुख्यमंत्री ने लिखा कि वे ज्ञान और बुद्धिमत्ता का भंडार हैं। एक बेहतरीन प्रशासक, एक समर्पित जनसेवक और एक अनुभवी कार्यकर्ता के तौर पर उनके विशाल अनुभव से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इस मुलाकात के दौरान, शर्मा ने असम विधानसभा चुनावों के दौरान प्रचार में किए गए प्रयासों के लिए रक्षा मंत्री का शुक्रिया अदा किया और राज्य के भविष्य के विकास के लिए उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन मांगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने आने वाले सालों में रक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने सोनोवाल संग विकसित असम के रोडमैप पर चर्चा की

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल से मुलाकात की और *विकसित असम* के विजन के तहत राज्य के विकास के सफर को तेज करने पर चर्चा की। सोनोवाल के सरकारी आवास पर हुई इस बैठक की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने सोनोवाल के साथ हर मुलाकात को असम के भविष्य पर विचार-विमर्श करने और राज्य की प्रगति की समीक्षा करने का एक अवसर बताया। शर्मा ने लिखा कि *सर्वानंद सोनोवाल डांगोरिया* के साथ हर मुलाकात विकसित असम के निर्माण पर चर्चा और विचार-विमर्श करने का एक अवसर होती है। दिल्ली में आज उनके साथ हुई बैठक भी इससे अलग नहीं थी — जिसमें हमने पिछले एक दशक में हुई प्रगति और असम के विकास के सफर को -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जिंदगी खुद को ढुंढने में नहीं बल्कि जिंदगी तो खुद को बनाने में है।

-जॉर्ज बार्नार्ड शॉ

असम मंत्रिपरिषद का 5 को होगा विस्तार : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को राज्य मंत्रिपरिषद के विस्तार की घोषणा की। उन्होंने बताया कि असम सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार 5 जून को किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि असम सरकार की मंत्रिपरिषद का विस्तार 5 जून को किया जाएगा। 4 मई को हुई मतगणना में एनडीए ने 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटें जीतकर तीसरी बार ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। इसके बाद 12 मई को गुवाहाटी के खानापारा स्थित वेटरिनरी कॉलेज मैदान में हिमंत विश्व शर्मा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। मुख्यमंत्री के अलावा रामेश्वर तेली, अजंता नेओग, अतुल बोरा और चरण बोरो ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी। हालांकि मुख्यमंत्री ने यह नहीं बताया कि मंत्रिमंडल में किन नए चेहरों को शामिल किया जाएगा या किन विभागों में बदलाव होगा, लेकिन असम की राजनीतिक हलकों में पिछले कई सप्ताह से मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल की चर्चा चल रही थी। माना जा रहा है कि इस विस्तार के जरिए मंत्रिपरिषद में खाली पदों को भरा जाएगा और कुछ मौजूदा मंत्रियों के विभागों में भी फेरबदल किया जा सकता है। फिलहाल मुख्यमंत्री के अलावा मंत्रिमंडल में केवल चार मंत्री हैं। राज्यपाल की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, रामेश्वर -शेष पृष्ठ दो पर

रंगिया के प्राथमिक विद्यालय परिसर में पाकिस्तानी झंडा मिलने से तनाव, जांच शुरू

रंगिया (हि.स./विभास)। असम के रंगिया क्षेत्र में स्थित निज हचंग प्राथमिक विद्यालय के परिसर में पाकिस्तानी झंडा मिलने से स्थानीय स्तर पर तनाव का माहौल बन गया। घटना सामने आने के बाद इलाके में लोगों के बीच आक्रोश देखा गया और प्रशासन ने तुरंत जांच शुरू कर दी है। इस बीच स्थानीय बजरंग दल इकाई ने रविवार को इस घटना के संबंध में 12 घंटा रंगिया बंद की घोषणा की है। बंद का प्रभाव भी कुछ हिस्सों में देखा गया। हालांकि, किसी भी अप्रिय घटना की कोई सूचना सामने नहीं आई है। पुलिस और प्रशासन स्थिति को सामान्य बनाने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। जानकारी के अनुसार, प्रथामिक विद्यालय परिसर में ही आंगनबाड़ी केंद्र भी संचालित होता है। आंगनबाड़ी केंद्र के सामने एक ऊंचे स्थान पर शनिवार को पाकिस्तानी झंडा लगा हुआ पाया गया। इसकी सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और विभिन्न संगठनों के सदस्य मौके पर पहुंच गए और घटना की निंदा करते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद रंगिया पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने पाकिस्तानी झंडा को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दौरान कुछ संगठनों -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

हुगली में टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी पर लेदर बॉल से हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली में तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी पर हमले की खबर सामने आई है। टीएमसी नेता का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर यह हमला किया है। उन्होंने दावा किया कि उनके सिर -शेष पृष्ठ दो पर

आरसीबी लगातार दूसरी बार बनी चैंपियन

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने क्रिकेट जगत में वो कारनामा कर दिखाया जिसका फैंस को सालों से इंतजार था। आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में रजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी ने शुभमन गिल की गुजरात टाइटंस (जीटी) को धूल चटाकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब अपने नाम कर लिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस हाई-वोल्टेज मैच में बेंगलुरु ने हर डिपार्टमेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी बादशाहत साबित की और 5 विकेट से मुकाबला जीता। इसी के साथ आरसीबी की टीम आईपीएल में अपने टाइटल को डिफेंड करने वाली तीसरी टीम बन गई। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की शुरुआत करने उतरी आरसीबी की शुरुआत काफी दमदार रही। आरसीबी के गेंदबाजों ने कप्तान रजत पाटीदार के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को पूरी तरह सही साबित किया। तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड ने गुजरात के कप्तान शुभमन गिल को सिर्फ 10 रन पर पवेलियन भेजकर बड़ा झटका दियाय इसके तुरंत बाद साई सुदर्शन भी 12 रन बनाकर चलते बने। फिर जोस -शेष पृष्ठ दो पर

कांगपोकपी में फायरिंग और आगजनी, पांच घर जले

कांगपोकपी (हि.स.)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के खराम वैफेई गांव के पास 30 मई को दोपहर करीब 1:45 बजे अज्ञात सशस्त्र बदमाशों द्वारा फायरिंग की घटना से इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने रविवार को जानकारी दी कि घटना के दौरान गांव के पांच कच्चे मकानों में आग लगा दी गई, जिससे वे पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही जिला पुलिस और -शेष पृष्ठ दो पर

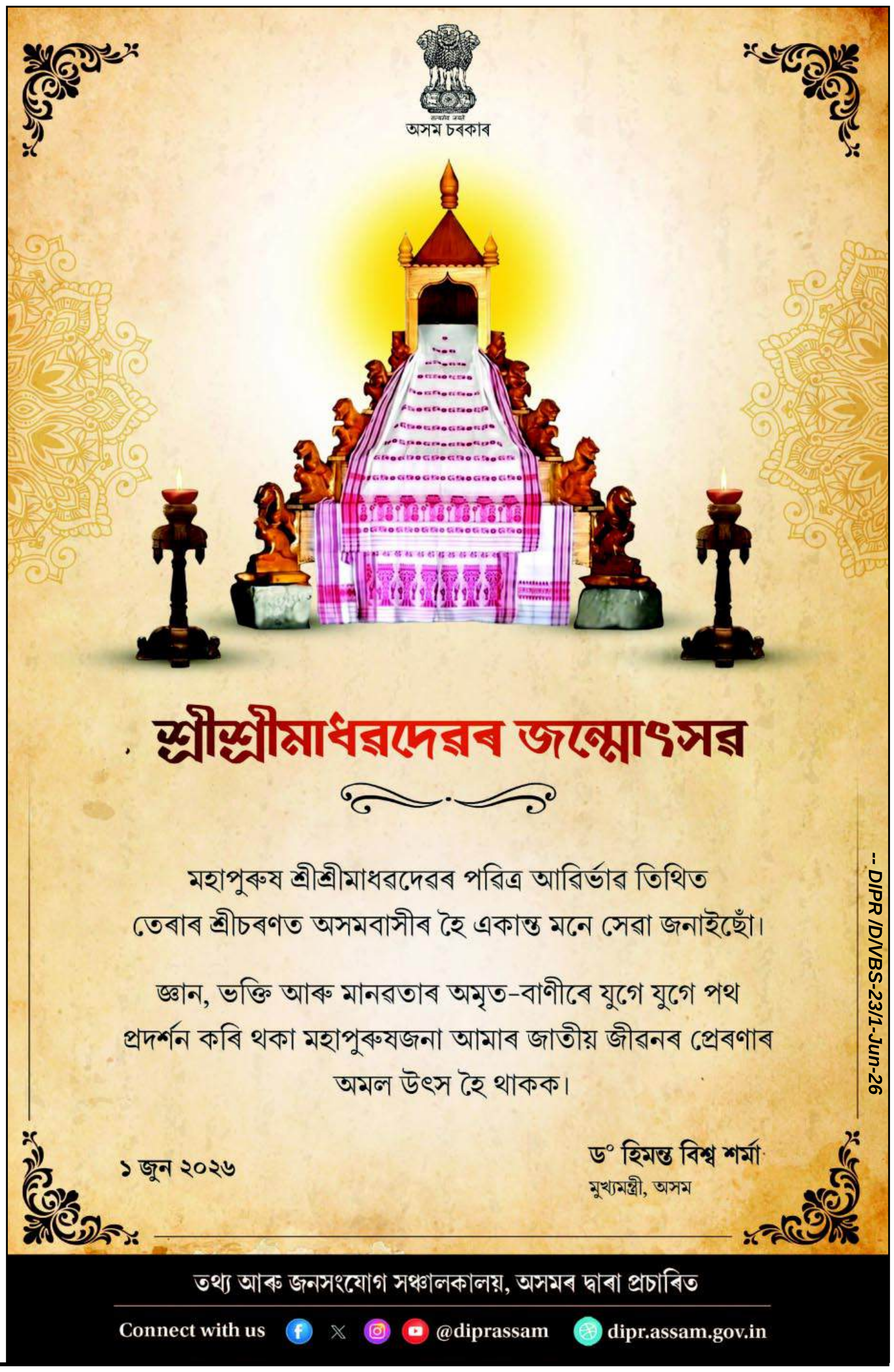

देश में अब कागजी नोटों की जगह लेंगे प्लास्टिक नोट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक देश में फटे-पुराने नोटों की समस्या को समाप्त करने और बार-बार नोट छापने पर आने वाली भारी लागत को कम करने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। केंद्रीय बैंक अब पारंपरिक कागजी मुद्रा के स्थान पर प्लास्टिक से बने नोट जारी करने की योजना पर विचार कर रहा है। वित्तीय बाजार और आम जनता के लिए इस बदलाव के फायदे और चुनौतियां दोनों ही काफी महत्वपूर्ण हैं। प्लास्टिक नोट विशेष प्रकार के सिंथेटिक पदार्थ से तैयार किए जाते हैं। पारंपरिक सूती धागे से बने कागजी नोटों की तुलना में ये बेहद लचीले, हल्के और लंबे समय तक चलने वाले होते हैं। मौजूदा समय में चलने वाले कागजी नोट बहुत जल्दी फट जाते हैं, गंदे हो जाते हैं और पानी या पसीने के संपर्क में आते ही खराब हो जाते हैं। इस वजह से केंद्रीय बैंक को हर साल पुराने नोटों को बदलने और नए नोटों की छपाई पर करोड़ों रुपए बर्बाद करने पड़ते हैं। प्लास्टिक नोट आने से इस बार-बार होने वाले खर्च में बहुत बड़ी बचत होगी। इन नोटों का सबसे बड़ा गुण इनका टिकाऊपन है। पॉलीमर से बने ये नोट सामान्य कागजी नोटों के मुकाबले 3 से 4 गुना अधिक समय तक चलते हैं। ये पूरी तरह से वॉटरप्रूफ होते हैं, जिसके कारण ये पानी, गंदगी या पसीने से सुरक्षित रहते हैं और मुड़ने या फटने से -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

पश्चिम बंगाल में आज होगा मंत्रिमंडल विस्तार, 35 नए मंत्री लेंगे शपथ : मुख्यमंत्री

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के पूर्ण मंत्रिमंडल का गठन सोमवार को होने जा रहा है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि मंत्रिमंडल विस्तार के तहत 35 नए मंत्री शपथ ग्रहण करेंगे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता के जनादेश से बनी सरकार का पूर्ण मंत्रिमंडल सोमवार को आकार लेगा। उन्होंने बताया कि सुबह 11 बजे लोक भवन में आयोजित समारोह में 35 मंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राज्यपाल आरएन रवि उन्हें शपथ दिलाएंगे। गौरतलब है कि, चार मई को हुए सत्ता परिवर्तन के बाद पहली बार राज्य में भाजपा की सरकार बनी थी। इसके बाद 9 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पद की शपथ ली थी। उनके साथ पांच अन्य मंत्रियों दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, निसिथ प्रमाणिक, क्षुदीराम टुडू ने भी शपथ ग्रहण किया था। तभी से मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा जारी थी। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने नई दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ अलग-अलग बैठकें की थीं। इसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें तेज हो गई थीं। अब जून के पहले दिन इस प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित राज्य मंत्रिमंडल में छह सदस्य हैं। सोमवार को 35 नए मंत्रियों के शामिल होने के बाद मंत्रिमंडल की कुल संख्या 41 हो जाएगी। संविधान के प्रावधानों के अनुसार, किसी राज्य में मंत्रियों की संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा में अधिकतम 44 मंत्री बनाए जा सकते हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल गठन में समय लेने के पीछे क्षेत्रीय संतुलन और सभी जिलों को प्रतिनिधित्व देने की रणनीति प्रमुख कारण रही है। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों और जिलों को सरकार में उचित भागीदारी मिले। माना जा रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी नए मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा भी कर सकते हैं। हालांकि भाजपा के 208 विजयी विधायकों में से किन नेताओं को मंत्री बनाया जाएगा, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

समाचार और विचार में स्पष्ट अंतर जरूरी : उपराष्ट्रपति

कोट्टायम (हि.स.)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने केरल में दीपिका मलयालम दैनिक के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पत्रकारिता में समाचार और विचार के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखने की आवश्यकता को बताते हुए कहा कि संपादकीय विचार व्यक्त करने का स्थान है, जबकि समाचारों को तथ्यपरक और निष्पक्ष रहना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने रविवार को केरल के कोट्टायम में दीपिका मलयालम दैनिक के 140वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और इस अवसर पर दीपिका एक्सीलेंस अवॉर्ड्स प्रदान किए। उपराष्ट्रपति ने दीपिका के 140 वर्षों के सफर को समर्पण, साहस, विश्वसनीयता और जनसेवा की उल्लेखनीय विरासत बताया। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी में सीमित संसाधनों के बावजूद एक समाचार पत्र की शुरुआत अत्यंत चुनौतीपूर्ण और साहसिक कार्य था। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का धर्म है अच्छे कार्यों की सराहना करना और गलत कार्यों की निष्पक्ष आलोचना करना। रचनात्मक पत्रकारिता समाज को प्रेरित करती है और राष्ट्र निर्माण को मजबूती प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों की जिम्मेदारी केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं है बल्कि उन्हें उम्मीद, नवाचार, करुणा और वैज्ञानिक प्रगति से जुड़ी सकारात्मक कहानियों को भी सामने लाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के डिजिटल युग में फेक न्यूज, व्यावसायिक दबाव और त्वरित सूचना प्रवाह जैसी चुनौतियां बढ़ी हैं, जिससे मीडिया की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। दीपिका आने वाले समय में भी पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी के पत्रकारों को प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री वीडी सतीसन, विधानसभा अध्यक्ष सहित कई लोग उपस्थित रहे।

हरियाणा में पानी का संकट, हालात गंभीर हुए : सोरखी

हांसी (हिंस)। भीषण गर्मी के कारण प्रदेश के कई जिलों में पानी का भारी संकट पैदा हो गया है, जिससे लोग टैंकरों के पीछे भागने और गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति मई-जून की गर्मी में पानी की मांग बढने और सप्लाई में लापरवाही के कारण उत्पन्न हुई है। लोगों में पर्याप्त पानी न मिलने से हाहाकार मचा हुआ है। आम आदमी पार्टी के हांसी जिला अध्यक्ष राजेंद्र सोरखी ने रविवार को कहा कि हिसार व हांसी जिले की बात करें तो हांसी के चानौत गांव और हिसार के आदमपुर जलघर में पानी की बदहाल स्थिति पर अधिकारियों को चार्जशीट और निलंबित तक होना पड़ा है। बावजूद इसके पानी की समस्या बरकरार है।

सहायक आचार्य परीक्षा में 53.23 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित

प्रयागराज (हिंस)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय (प्रा.) परीक्षा 2025 के कुल 28 विषयों की परीक्षा रविवार को सकुशल संपन्न हुई। उक्त परीक्षा में अभ्यर्थियों की उपस्थिति 53.23 प्रतिशत रही। आयोग के परीक्षा नियंत्रक ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त परीक्षा एक सत्र में 09:30 से 11:30 बजे तक प्रदेश के दस जनपदों अलीगढ़, बरेली, गोरखपुर, जौनपुर, कानपुर नगर, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज एवं वाराणसी के कुल 261 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कराई गई।

चार राज्यों में एसआईआर शुरू, 3.68 करोड़ से अधिक मतदाता होंगे शामिल

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण के तहत मतदाताओं का सर्वेक्षण और सत्यापन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस चरण में 3.68 करोड़ से अधिक मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। आयोग ने कहा कि पात्र लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने और अपात्र व्यक्तियों को बाहर रखने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया शुरू की गई है। चुनाव आयोग ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के तहत 14 मई 2026 को 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण का आदेश जारी किया गया था। इसके तहत ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में 30 मई से मतदाताओं का सर्वेक्षण और सत्यापन चरण शुरू हो गया है। जिन मतदाताओं के प्रगणना फॉर्म 28 जून तक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को प्राप्त हो जाएंगे, उनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। आयोग के अनुसार, बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मौजूदा मतदाताओं को प्रगणना फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। मतदाता भरे हुए फॉर्म बीएलओ के माध्यम से अथवा ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। जो मतदाता निर्धारित समय तक फॉर्म जमा नहीं कर पाएंगे, वे दावे और आपत्तियों की अवधि के दौरान घोषणा पत्र के साथ फॉर्म-6 भरकर आवेदन कर सकेंगे।

कल्याण बनर्जी पर हमला : ममता ने बुलाई बैठक, 80 में से 20 ही पहुंचे, टली मीटिंग

कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के करीब एक माह बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर असहज स्थिति खुलकर सामने आ गई है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी पर सोनारपुर में हुए हमले की घटना के एक दिन बाद तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी द्वारा रविवार शाम में कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास पर बुलाई गई पार्टी विधायकों की बैठक में 80 में से केवल 20 विधायक ही पहुंचे। विधायकों की बेहद कम उपस्थिति के कारण ममता को बैठक स्थगित करनी पड़ी। सूत्रों के अनुसार, अपेक्षा से बहुत कम संख्या में विधायकों के पहुंचने पर ममता बनर्जी स्वयं भी बैठक में शामिल होने नहीं आईं। बाद में विधानसभा में विपक्ष के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय के माध्यम से उपस्थित विधायकों को बैठक स्थगित किए जाने की जानकारी दी गई। इसके बाद सभी विधायक वापस लौट गए। बाहर निकलने पर पार्टी विधायक और प्रवक्ता कुणाल घोष ने बैठक स्थगित होने के पीछे अलग कारण बताया। उन्होंने कहा कि शनिवार को सोनारपुर में पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी तथा रविवार को हुगली जिले में वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी पर हुए हमलों के बाद विभिन्न क्षेत्रों में तृणमूल नेता व कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कई स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर थानों में घंटों बैठाए रखा, इसलिए अनेक जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में मौजूद रहने की आवश्यकता जताई। उन्होंने दावा किया कि इसी कारण कई विधायकों ने फोन करके पार्टी नेतृत्व से बैठक को कुछ दिन के लिए टालने का अनुरोध किया था। घोष ने बताया कि कार्यकर्ताओं की सुरक्षा और स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने बैठक को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। यह बैठक अब कब होगी यह अभी स्पष्ट नहीं है। घोष ने कहा कि सबसे चर्चा और विधायकों की सुविधा के अनुसार बैठक की नई तारीख तय की जाएगी, जिसकी सूचना सभी को दे दी जाएगी। गौरतलब है कि विधानसभा में विपक्ष के नेता के चयन से जुड़े हस्ताक्षर विवाद और उस मामले में सीआईडी की जांच के तहत कई विधायकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अलावा चुनाव के बाद विभिन्न क्षेत्रों में तृणमूल कार्यकर्ताओं पर हमलों की घटनाओं को लेकर भी पार्टी नेतृत्व चिंतित है। इन्हीं मुद्दों पर चर्चा के लिए रविवार की बैठक बुलाई गई थी। अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी के साथ हुई मारपीट और जनआक्रोश की घटनाओं के बीच ममता की बैठक में महज 19 विधायकों की उपस्थिति ने पार्टी संगठन की मौजूदा स्थिति को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

डोभाल ने म्यांमार के राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग की भारत यात्रा के दूसरे दिन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने रविवार को उनसे मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा, संपर्क परियोजनाओं और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 3 जून तक भारत की यात्रा पर हैं। हाल ही में विवादास्पद चुनाव में जीत के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा बताई जा रही है।

देश के तीसरे सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कार्यभार संभाला

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के तौर पर जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को कार्यभार संभाल लिया। उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। नए सीडीएस ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पचक्र अर्पित किया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों में बदलाव के लिए संगठनात्मक सुधार पर मुख्य फोकस होगा। आत्मनिर्भरता हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा केंद्रीय स्तंभ है। हम अपने सशस्त्र बलों के लिए स्वदेशी हथियारों का विकास करके उन्हें सेवा में तेजी से शामिल करेंगे। सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का चार्ज संभालकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। आर्म्ड फोर्सेज पर दिखाए गए भरोसे के लिए हम देश के आभारी हैं। सोच और काम में इनोवेशन हमारी काबिलियत को बढ़ाएगा। मिलिट्री, इंडस्ट्री, एकेडेमिया, स्टार्टअप्स और रिसर्च इकोसिस्टम के बीच ज्यादा सहयोग मॉडर्नाइजेशन के लिए मुख्य वजह होगा। हमारे सशस्त्र बलों ने हमारे देश के हितों की रक्षा करने में लगातार व्यावसायिकता और परिचालन फैसले लेने की क्षमता दिखाई है। हम अपने देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत और जनरल अनिल चौहान का इस सफर में उनके शानदार नेतृत्व और योगदान के लिए दिल से शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि हम अपने सैनिकों, नाविकों और एयर वॉरियर्स के साहस और व्यावसायिकता को मानते हैं। उनकी ट्रेनिंग और भलाई हमारी सबसे पहली प्राथमिकता होगी। हम उम्मीद करते हैं कि हम अपने उन बहादुरों को श्रद्धांजलि देंगे, जिनकी बहादुरी, बलिदान और देश के प्रति समर्पण हमें प्रेरणा देता रहता है। हम अपने वेटरन्स और वीर नारियों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने भारत के नागरिकों को भरोसा दिलाया कि सशस्त्र बल समर्पण, साहस, सम्मान और व्यावसायिकता के साथ देश की सेवा करते रहेंगे। केंद्र सरकार ने 1 जनवरी, 2020 को तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीडीएस) का पद सृजित किया था। इसके बाद जनरल बिपिन रावत भारत के पहले सीडीएस बने। उनका कार्यकाल 1 जनवरी, 2020 से 8 दिसंबर, 2021 तक रहा था। केरल के कन्नूर में 8 दिसंबर को एक दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में जनरल बिपिन रावत का निधन हो गया।

फ्रांस में बेकाबू जश्न : लूटपाट-हिंसा से दहला पेरिस एफिल टावर के पास भड़की आग ने मचाई दहशत

पेरिस। यूरोप के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट ईएफए चैंपियंस लीग का खिताब जीतने के बाद फ्रांसीसी क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के समर्थकों का जश्न राजधानी पेरिस में कई जगह हिंसा और उपद्रव में बदल गया। देर रात हजारों प्रशंसक सड़कों पर उतर आए, लेकिन कुछ इलाकों में स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई और आगजनी, तोड़फोड़ तथा पुलिस के साथ झड़पों की घटनाएं सामने आईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चैंपियंस लीग फाइनल में पीएसजी की जीत के बाद करीब 20 हजार समर्थक शहर के प्रमुख इलाकों, खासकर आर्क डी ट्रायोम और चैंप्स-एलीसीज के आसपास जमा हो गए। लोग फ्लेयर जलाकर, पटाखे छोड़कर और नारे लगाकर जीत का जश्न मना रहे थे। सुबह 3 बजे के बाद भी आगजनी, लूटपाट, तोड़फोड़ और पुलिस के साथ झड़पें जारी रहीं। कई इलाकों में हालात तनावपूर्ण रहे और सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया। जश्न के दौरान कुछ उपद्रवी समूहों ने दुकानों और सार्वजनिक संपत्तियों को निशाना बनाया।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने विदेशमंत्री के साथ ...

जयशंकर का दृष्टिकोण और मौजूदा भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत का नजरिया हमेशा ही प्रेरणादायक रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सुबह मुझे माननीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर जी से मुलाकात करने का सौभाग्य मिला। वैश्विक मामलों पर उनका दृष्टिकोण और जिस तरह भारत मौजूदा भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, उसे लेकर उनका नजरिया हमेशा ही ज्ञानवर्धक होता है। शर्मा ने बताया कि उन्होंने भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी को और अधिक मजबूत बनाने के संबंध में अपने विचार साझा करने के लिए विदेश मंत्री का आभार व्यक्त किया। यह नीति एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशिया और व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ भारत के जुड़ाव को और गहरा करना है। मुख्यमंत्री ने इस बात की भी उम्मीद जताई कि जयशंकर से उन्हें लगातार मार्गदर्शन मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि असम, पूर्वोत्तर और दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में अपनी रणनीतिक स्थिति का लाभ उठाते हुए, पड़ोसी देशों के साथ व्यापार और पर्यटन संबंधों को मजबूत करने में किस तरह योगदान दे सकता है, इस विषय पर उन्हें जयशंकर से दिशा-निर्देश मिलते रहेंगे। ये चर्चाएं एक्ट ईस्ट रूपरेखा के तहत क्षेत्रीय संपर्क, सीमा-पार व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के चल रहे प्रयासों के बीच हुई हैं। उम्मीद की जा रही है कि इन उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में असम एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डॉ. शर्मा ने राजनाथ सिंह ...

क्षेत्र में असम को एक अहम खिलाड़ी के तौर पर स्थापित करने की जरूरत पर भी चर्चा की, जो राज्य के औद्योगिक विकास और रणनीतिक बुनियादी ढांचे पर बढ़ते जोर के अनुरूप है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब केंद्र सरकार *आत्मनिर्भर भारत* पहल के तहत रक्षा निर्माण को मजबूत करने और स्वदेशी उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने पर जोर दे रही है।

मुख्यमंत्री ने सोनोवाल संग...

कैसे तेज किया जाए, इस पर चर्चा की। इस बैठक का मुख्य फोकस पिछले दस वर्षों में हासिल की गई विकासात्मक उपलब्धियों की समीक्षा करना और असम की आर्थिक वृद्धि, बुनियादी ढांचे के विकास और समग्र प्रगति को और मजबूत करने की रणनीतियों पर विचार करना था। समझा जाता है कि दोनों नेताओं ने असम को एक विकसित और समृद्ध राज्य में बदलने के उद्देश्य से शुरू की गई प्रमुख पहलों पर अपने विचार साझा किए। यह मुलाकात विकासात्मक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और विकसित असम के विजन को साकार करने की दिशा में राज्य और केंद्र सरकार के बीच जारी तालमेल को दर्शाती है।

असम मंत्रिपरिषद का...

तेली को परिवर्तन एवं विकास, श्रम कल्याण तथा चाय जनजाति एवं आदिवासी कल्याण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चाय जनजाति एवं आदिवासी कल्याण विभाग को उनके कार्यभार में शामिल किए जाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि राज्य सरकार चाय बागान समुदायों के कल्याण पर विशेष ध्यान दे रही है। वहीं, असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष अतुल बोरा को पंचायत एवं ग्रामीण विकास, असम समझौता क्रियान्वयन, सीमा संरक्षण एवं विकास तथा आबकारी विभाग सौंपे गए हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि असम समझौते के प्रावधानों को लागू करने और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को लेकर उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इसी तरह बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के नेता चरण बोरो को परिवहन विभाग के साथ बोड़ोलैंड कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इससे बोड़ोलैंड क्षेत्र में विकास कार्यों और परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। वरिष्ठ भाजपा नेता अजंता नेऊग को महिला एवं बाल विकास तथा पर्यटन विभाग सौंपा गया है। अधिकारियों का कहना है कि ये दोनों विभाग राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और महिलाओं व बच्चों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

रंगिया के प्राथमिक विद्यालय ...

ने घटना के विरोध में प्रदर्शन भी किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है ताकि आरोपितों की पहचान की जा सके। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। उधर अखिल असम छात्र संघ (आसू) की जिला और आंचलिक इकाइयों ने घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए रंगिया के थाना प्रभारी मिंटू बोड़ो को ज्ञापन सौंपा है। *आसू* के नेताओं नवज्योति दास, तौफीकुर रहमान, पिंटू डेका और रिदुल कुमार नाथ ने मांग की है कि राज्य का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश रचने वाली कट्टरपंथी ताकतों की तुरंत पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं मामले की एक प्रतिलिपि कामरूप के पुलिस अधीक्षक को भी भेजी गई है। इस घटना के विरोध और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर आज रंगिया में स्वत:स्फूर्त बंद रहा। सुबह से ही सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान, दुकानें और मुख्य बाजार पूरी तरह बंद नजर आए, वहीं सड़कों पर भी वाहनों की आवाजाही आम दिनों के मुकाबले बेहद कम रही।

देश में अब कागजी ...

बचे रहते हैं। इसके अलावा, इनकी सतह गैर-छिद्रपूर्ण होती है, जिसके कारण इन पर धूल, मिट्टी या बैक्टीरिया आसानी से नहीं चिपकते। इस वजह से ये नोट इस्तेमाल करने में कहीं अधिक स्वच्छ और हाइजीनिक रहते हैं। प्लास्टिक नोटों को बाजार में उतारने का एक बड़ा फायदा नकली मुद्रा पर रोक लगाना भी है। इन नोटों में सुरक्षा के ऐसे आधुनिक उपाय शामिल किए जा सकते हैं, जिनकी हूबहू नकल करना जालसाजों के लिए लगभग असंभव होगा। इनमें ट्रांसपेरेंट विंडो, विशेष होलोग्राम और कई अन्य एडवांस्ड सिक्योरिटी फीचर्स शामिल होते हैं, जिससे जाली नोटों के कारोबार को पूरी तरह ठप किया जा सकता है। फायदों के बावजूद इस नई व्यवस्था को लागू करने में कुछ व्यावहारिक दिक्कतें भी हैं। शुरुआत में प्लास्टिक नोटों को छापने का खर्च सामान्य कागजी नोटों की तुलना में काफी ज्यादा होता है। इसके अतिरिक्त, ये नोट थोड़े चिकने होते हैं, जिससे हाथ से गिनते समय इनके फिसलने की समस्या हो सकती है। अत्यधिक तापमान या तेज गर्मी में इनके सिकुड़ने की आशंका भी बनी रहती है। सबसे बड़ी चुनौती देश भर के एटीएम नेटवर्क को लेकर है, क्योंकि इन नोटों के हिसाब से सभी मशीनों को अपग्रेड करना पड़ेगा। वैश्विक स्तर पर देखें तो प्लास्टिक करेंसी का प्रयोग कोई नया प्रयोग नहीं है। वर्तमान में दुनिया के 60 से भी अधिक देशों में आंशिक या पूर्ण रूप से प्लास्टिक नोटों का उपयोग किया जा रहा है। इस तकनीक को सबसे पहले साल 1988 में ऑस्ट्रेलिया ने अपनाया था। इसके बाद ब्रिटेन, कनाडा, सिंगापुर, न्यूजीलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, वियतनाम और रोमानिया जैसे कई बड़े देशों ने भी अपनी अर्थव्यवस्था में इसे शामिल किया है।

हुगली में टीएमसी नेता ...

पर ड्यूज गेंद से वार किया गया। हमले के बाद टीएमसी नेता विरोध में सड़क पर ही लेट गए, जिसके बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें उठाया। इस घटना के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जानकारी के मुताबिक, कल्याण बनर्जी हुगली के चंडीपुर इलाके में चुनाव के बाद हुई हिंसा को लेकर एक डेप्यूटेशन सौंपने जा रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें काले कपड़े दिखाए और उनका भारी विरोध किया, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। कल्याण बनर्जी से पहले, शनिवार को टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को भी सोनारपुर में स्थानीय लोगों के भारी विरोध और गुस्से का सामना करना पड़ा था।

कांगपोकपी में फायरिंग ...

सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और संयुक्त अभियान चलाकर स्थिति को नियंत्रित किया। समय रहते कार्रवाई के कारण स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सका। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। इस बीच प्रशासन ने सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ पोस्टों और दावों को पूरी तरह भ्रामक और निराधार बताया है। इनमें सुरक्षा बलों और जिला पुलिस अधीक्षक को लेकर किए गए दावों को गलत बताते हुए प्रशासन ने कहा कि ये बयान वास्तविक तथ्यों से मेल नहीं खाते। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि संवेदनशील परिस्थितियों में भ्रामक सूचना या दुष्प्रचार फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरसीबी लगातार दूसरी...

बटलर पारी को संभालने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने एक सटीक वाइड यॉर्कर पर उन्हें आउट कर गुजरात की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। हालांकि, वाशिंगटन सुंदर ने एक छोर को संभालते हुए 37 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाए, जिसके चलते गुजरात की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाने में कामयाब रही। आरसीबी की ओर से सबसे सफल गेंदबाज युवा अनकैप्ड खिलाड़ी रसिख सलाम रहे। रसिख ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, भुवनेश्वरर कुमार और जॉश हेजलवुड ने 2-2 विकेट लिए। क्रुणाल पंड्या भी 1 विकेट हासिल करने में कामयाब रहे।

सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर घटाया टैक्स, आज से लागू होंगी नई दरें

नई दिल्ली। सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर विंडफॉल गेन टैक्स को आधा करके 1.50 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। जबकि डीजल पर टैक्स को घटाकर 13.50 रुपए प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर कर को घटाकर 9.50 रुपए प्रति लीटर दिया गया है। यह व्यवस्था एक जून से लागू होगी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर सड़क और इन्फ्रास्ट्रक्चर सेस जीरो होगा। साथ ही, घरेलू इस्तेमाल में आने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेट्रोल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एसएईडी) तीन रुपए प्रति लीटर लगाई गई थी और हर दो सप्ताह में इसकी समीक्षा की जाती है। इस तरह एक जून से इसे घटाकर 1.50 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह डीजल के निर्यात पर एसएईडी प्रति लीटर 16.5 रुपए से घटाकर 13.5 रुपए और एटीएफ पर 16 रुपए से घटाकर 9.5 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है। देश में पहली बार जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स की शुरुआत की गई थी। ईरान युद्ध के कारण दुनिया में कच्चे तेल की सप्लाई बाधित हुई है, जिससे कीमतों में काफी तेजी आई। सरकार ने देश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए 27 मार्च को एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई थी। विंडफॉल टैक्स से रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े प्राइवेट रिफाइनर्स प्रभावित होते हैं। रिलायंस बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थों का निर्यात करती है। रिलायंस देश में डीजल और एटीएफ की बड़ी निर्यातक है। जामनगर में उसकी दो रिफाइनरीज में करीब 50 टन एटीएफ का उत्पादन होता है, जो देश के कुल उत्पादन का करीब एक चौथाई है। इसका एक बड़ा हिस्सा निर्यात किया जाता है। साथ ही ओएनजीसी और आयल इंडिया भी ईंधन उत्पादों का निर्यात करती हैं।

मुख्यमंत्री खांडू के इस्तीफे की खबर फर्जी : भाजपा

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को सोशल मीडिया और कुछ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रही उन खबरों का कड़ा खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि मुख्यमंत्री पेमा खांडू अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। भाजपा ने इन खबरों को *फर्जी खबर* बताते हुए चेतावनी दी कि केंद्रीय भाजपा से चर्चा के बाद गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भाजपा अध्यक्ष कालिंग मोयोंग ने रविवार को इटानगर स्थित भाजपा कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि इन खबरों में जरा भी सच्चाई नहीं है और उन्होंने जोर देकर कहा कि खांडू पूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी के साथ मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करना जारी रखेंगे। मुख्यमंत्री पेमा खांडू के इस्तीफे की खबरें पूरी तरह से फर्जी और भ्रामक हैं। हम इस तरह की झूठी सूचना के प्रसार की कड़ी निंदा करते हैं। हालांकि, भ्रष्टाचार के आरोपों पर मुख्यमंत्री

तापमान

अधिकतम 36^0 | न्यूनतम 26^0

गुवाहाटी में बड़ी डकैती की साजिश नाकाम, तीन कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में बड़ी डकैती की योजना बना रहे एक कुख्यात गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने तीन दुर्दांत बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को कहा कि यह कार्रवाई बोरागांव के बेलवाली क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बंधुरा बसुमतारी, जनक बसुमतारी और मानो बसुमतारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में उन्हें धर दबोचा गया। अभियान के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक 0.32 बोर की पिस्तौल, दो मैगजीन, 14 जिंदा कारतूस, एक डेगार तथा एक खुखरी बरामद की है। बरामद हथियारों और गोला-बारूद को जब्त कर लिया गया है।

माई भारत देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचेगा : मनसुख मांडविया

शिलांग (हिंस)। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने देश निर्माण की विभिन्न पहलों में युवाओं की अधिक सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि *माई भारत* कार्यक्रम को देश के प्रत्येक जिले, प्रत्येक ब्लॉक और हर युवा तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं की शक्ति को राष्ट्र विकास से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। शिलांग स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में आयोजित दो दिवसीय *चिंतन शिविर* के प्रथम दिन संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा कि *माई भारत* पहले ही 2.17 करोड़ से अधिक युवा स्वयंसेवकों को जोड़कर एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने विकासात्मक कार्यक्रमों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा अंतिम पंक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर गतिविधियों को और सशक्त बनाने पर जोर दिया। बैठक में युवा मामले विभाग, *माई भारत* तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विभिन्न स्तरों के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान युवाओं की सहभागिता बढ़ाने, कार्यक्रमों की प्रभावशीलता में सुधार लाने और युवा-नेतृत्व वाले विकास के सरकारी लक्ष्य को आगे बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री ने जिला युवा अधिकारियों और एनएसएस अधिकारियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि युवा विकास कार्यक्रमों की सफलता का आकलन केवल प्रतिभागियों की संख्या से नहीं, बल्कि समाज पर उनके वास्तविक प्रभाव और परिणामों के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने 26 जून से 15 अगस्त तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी नशा विरोधी अभियान में व्यापक जनभागीदारी का भी आह्वान किया। मांडविया ने घोषणा की कि *वंदे मातरम्* के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश के 150 शैक्षणिक संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि मंत्रालय देश के सभी 783 जिलों में *माई भारत* केंद्र स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले दिन की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री ने शिलांग में *माई भारत* के स्वयंसेवकों के साथ रोडोडेंड्रॉन ट्रेक में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से सक्रिय जीवनशैली अपनाने, प्रकृति से जुड़ाव बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया। मेघालय की मनोहारी प्राकृतिक वादियों में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में शारीरिक क्षमता, साहसिकता और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना तथा उन्हें विभिन्न सरकारी पहलों से और अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ना था।

एएफडीसी घोटाले में बड़ा खुलासा ओएसडी पद्मकांत हजारिका पुरी से गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम मत्स्य विकास निगम (एएफडीसी) से जुड़े कथित घोटाले की जांच में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। निगम के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) पद्मकांत हजारिका को ओडिशा के पुरी से गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच को और तेज कर दिया गया है। जांच एजेंसियों को संदेह है कि विभाग में नियुक्तियों के दौरान गंभीर अनियमितताएं की गईं और कथित रूप से पैसों के बदले नौकरी देने का खेल चलाया गया। आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया में नियमों और पारदर्शिता की अनदेखी कर कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाया गया। इसके अलावा टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर के आरोप भी सामने आए हैं। जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि सार्वजनिक निविदा प्रक्रिया को दरकिनार कर लाभकारी *बील* (आर्द्रभूमि) पट्टों का आवंटन कथित तौर पर रिश्तेदारों, करीबी सहयोगियों और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्तियों को किया गया। अधिकारियों के अनुसार, जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। वित्तीय लेन-देन, बैंक खातों और संपत्तियों की गहन जांच की जा रही है ताकि धन के प्रवाह का पता लगाया जा सके और घोटाले से जुड़े अन्य लाभार्थियों की पहचान हो सके। सूत्रों का कहना है कि जांच में जैसे-जैसे नए तथ्य सामने आएंगे, आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा कानूनी कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

गुवाहाटी में नशे के खिलाफ बड़ा अभियान 26 तस्कर और नशा सेवनकर्ता गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 26 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में मादक पदार्थ तस्कर और नशा सेवन करने वाले शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, पलटन बाजार से लेकर कामाख्या रेलवे स्टेशन तक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में गुवाहाटी पुलिस ने सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई की। अभियान के दौरान आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित मादक पदार्थ भी बरामद किए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई राज्य सरकार और असम पुलिस द्वारा नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे व्यापक अभियान का हिस्सा है। गुवाहाटी समेत राज्य के विभिन्न इलाकों में मादक पदार्थों की तस्करी और इससे जुड़े अपराधों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आम नागरिकों से भी इस अभियान में सहयोग करने की अपील की गई है। असम पुलिस ने लोगों से आग्रह किया है कि यदि उन्हें मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री या सेवन से संबंधित कोई जानकारी मिले तो वे निकटतम पुलिस थाने, पुलिस हेल्पलाइन या असम पुलिस के नागरिक पोर्टल के माध्यम से इसकी सूचना दें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कामरूप जिला साहित्य सभा का चित्रांकन प्रतियोगिता संपन्न

रंगिया (विभास)। आगामी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रनदिया (शतदल) साहित्य सभा, रंगिया के तत्वावधान में, स्वेच्छासेवी संगठन परमार्थ, विद्या ज्योति शिशु निकेतन और चित्रकला विद्यालय तरणी के सहयोग से कामरूप जिला साहित्य सभा की एक चित्रांकन प्रतियोगिता आज तरणी स्थित विद्या ज्योति शिशु निकेतन के प्रांगण में आयोजित हुई। कामरूप जिला साहित्य सभा के युवा संसद के आह्वायक हेमन्त कलिता और संगठन सचिव जयंत जित कलिता के नेतृत्व में आयोजित इस चित्रांकन प्रतियोगिता का शुभारम्भ आरिमतों बैद्यगढ़ पंचायत के आंचलिक सदस्य अच्युत लहकर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा समाजसेवक रिपुंजय पाठक

उपस्थित रहे। प्रशिक्षक कमल कुमार के संचालन आयोजित इस कार्यक्रम में चौदह वर्ष तक के सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। उद्घाटन अवसर पर रनदिया (शतदल) साहित्य सभा के अध्यक्ष पंकज पल्लव शर्मा, निकेतन के प्रधानाध्यापक भास्कर कलिता, निकेतन संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष उमेश चंद्र कलिता और पत्रकार जयंत कुमार डेका सहित अभिभावक-अभिभाविकाओं और कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। बताया गया है कि प्रतियोगिता में पुरस्कार विजेताओं को आगामी 5 जून को उसी स्थान पर आयोजित किए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस समारोह और कूंही कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा। कामरूप जिला साहित्य सभा के युवा सांसद के आह्वायक हेमन्त कलिता और संगठन सचिव जयंत जित कलिता के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम की सफल रूपरेखा के लिए कामरूप जिला साहित्य सभा की कूंही उप समिति के कार्यकारी अध्यक्ष भानु चौधुरी ठाकुरिया, आह्वायक कमल नारायण वैश्य, रनदिया (शतदल) साहित्य सभा के अध्यक्ष पंकज पल्लव शर्मा, सचिव सैयद मुस्तफा अहमद और विद्या ज्योति शिशु निकेतन के प्रधानाध्यापक भास्कर कलिता सहित आयोजकों ने प्रकृति प्रेमी और साहित्य प्रेमी जनता के सहयोग व उपस्थिति की कामना की है।

असम विस सचिवालय में नियम विरुद्ध नियुक्तियों पर गिरी गाज, 28 सेवाएं समाप्त

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी के कार्यकाल के दौरान हुई कथित अनियमित नियुक्तियों को लेकर विधानसभा सचिवालय में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा के बाद अब तक कुल 28 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नियुक्तियों में नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं की अनदेखी किए जाने के आरोपों के बाद विधानसभा सचिवालय ने भर्ती मामलों की जांच शुरू की थी। समीक्षा के दौरान कई नियुक्तियां नियमों के अनुरूप नहीं पाई गईं, जिसके आधार पर संबंधित कर्मचारियों को पदमुक्त करने का निर्णय लिया गया। कार्रवाई के पहले चरण में 29 मई को 12 कर्मचारियों को सेवा से मुक्त किया गया था। इसके बाद शनिवार को 16 अन्य कर्मचारियों की सेवाएं भी समाप्त कर दी गईं। इस तरह दो चरणों में कुल 28 कर्मचारियों को पद से हटाया जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, भर्ती संबंधी मामलों की जांच और समीक्षा प्रक्रिया अभी भी जारी है। प्रशासन का कहना है कि नियुक्तियों में पारदर्शिता, जवाबदेही और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासनिक हलकों में इस कार्रवाई को विधानसभा सचिवालय में भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और नियमसम्मत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं, मामले से जुड़े अन्य नियुक्तियों की भी जांच की जा रही है और भविष्य में और कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया गया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। असम के धुबड़ी जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 89वीं बटालियन ने एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मुक्तार हुसैन के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के दिनाजपुर गांव का निवासी बताया गया है। बीएसएफ के जवानों ने उसे गोलकगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीओपी बिस्खावा के समीप नियमित निगरानी अभियान के दौरान पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद उसे आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की औपचारिक रिपोर्ट गोलकगंज पुलिस चौकी द्वारा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी जाएगी।

फकीराग्राम में नवनिर्वाचित विधायक रुपम चंद्र राय का भव्य अभिनंदन

कोकराझाड़ (विभास)। नंबर बउखूंगारी विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक रुपम चंद्र राय का आज फकीराग्राम में भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ कमेटी द्वारा स्थानीय शहीद बेदी के समीप स्थित कम्युनिटी हॉल में आयोजित इस विशेष समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भारी उत्साह के साथ नवनिर्वाचित विधायक का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में विधायक रुपम चंद्र राय का विभिन्न समितियों और स्थानीय नेताओं द्वारा गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में विधायक ने क्षेत्र के विकास को अपनी प्राथमिकता बताते हुए जनता का आभार व्यक्त किया। समारोह में मुख्य रूप से बीटीसी के फकीराग्राम समष्टि के एमसीएलए इसमूल हक, ब्लॉक समिति के सचिव फुल्केस राय, फकीराग्राम म्युनिसिपल बोर्ड के अध्यक्ष सुलतान आलम और उपाध्यक्ष प्रनब शर्मा उपस्थित थे। इनके साथ ही वरिष्ठ बीपीएफ नेता बाहरुल इस्लाम सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी, विभिन्न प्राइमरी समितियों के सदस्य और भिसीडीसी अध्यक्षों ने भी कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों और बीपीएफ कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति ने इस आयोजन को सफल बनाया। स्थानीय लोगों ने नवनिर्वाचित विधायक से क्षेत्र में जनहित के कार्यों को गति देने की उम्मीद जताई है।

टिंगखांग में भयावह आग कपास गोदाम सहित कई किराए के मकान जलकर राख

डिब्रूगढ़ (हिंस)। टिंगखांग के राजगढ़ क्षेत्र में एक भीषण आग लगने की घटना सामने आई, जिसमें एक कपास के गोदाम के साथ-साथ कई किराये के मकान आग की चपेट में आकर जलकर राख हो गए। पुलिस ने रविवार को बताया कि आग लगने के कारण क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बीती रात आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के भवनों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के लिए अभियान शुरू किया। हालांकि, आग काफी देर तक लगी रही। अग्निशमन कर्मी आग पर पूरी तरह काबू पाने में काफी देर तक सफल नहीं हो सके थे और आग लगातार जल रही थी।

अखिल असम बंगाली युवा-छात्र फेडरेशन ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

कोकराझाड़ (विभास)। समाज में एक स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण बनाने के उद्देश्य से, अखिल असम बंगाली युवा-छात्र फेडरेशन की सिथिला आंचलिक समिति के तत्वावधान में आज एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हाईस्कूल लीविंग सर्टिफिकेट और उच्चतर माध्यमिक अंतिम परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले क्षेत्र के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान, मेधावी छात्रों को फुलाम गमोसा और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने छात्रों को प्रेरित करते हुए समाज निर्माण में शिक्षा के महत्व पर विस्तृत प्रकाश

डाला। इस कार्यक्रम में अखिल असम बंगाली युवा-छात्र फेडरेशन के केंद्रीय उपाध्यक्ष गोपाल घोष, महासचिव इंद्रजीत देबनाथ, सिथिला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक बिष्णुपाद शील शर्मा, विशिष्ट व्यक्ति सुशांत सूत्रधर, मनीष देबनाथ और कोकराझाड़ जिला समिति के अध्यक्ष नेपाल बर्मन विशेष रूप से उपस्थित थे। इस गरिमापूर्ण आयोजन में मेधावी छात्रों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और अभिभावक उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के होजाई स्थित 20 दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग का भव्य समापन

होजाई (निसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, असम क्षेत्र द्वारा आयोजित 20 दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग (प्रथम, सामान्य) का समापन आज गीताश्रम, होजाई में भव्य एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। वर्ग में पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आए 102 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन अवसर पर स्वयंसेवकों के अनुशासित एवं आकर्षक शारीरिक प्रदर्शन ने उपस्थित जनसमूह को विशेष रूप से प्रभावित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं असम क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख श्री शंकर दास कलिता ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले सौ वर्षों से समाज संगठन एवं राष्ट्र निर्माण के कार्य में निरंतर संलग्न है। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल में भारतीय इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को विकृत रूप में प्रस्तुत किए जाने के कारण नई पीढ़ी अपने सांस्कृतिक आधार से दूर हुई है। पश्चिमी भौतिकवाद, अति-व्यक्तिवाद तथा उपभोक्तावाद ने समाज और परिवार की पारंपरिक संरचनाओं को भी चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है और विभिन्न वैचारिक शक्तियां युवाओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं। तथाकथित रेडूकेशोनिष्ट अप्रोच समाज को जाति, भाषा, क्षेत्र और अन्य संकीर्ण पहचानों के आधार पर विभाजित करती है, जिससे सामाजिक एकात्मता कमजोर होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि साइंटिफिक सोशलिज्म तथा शहरी नक्सलवाद जैसी प्रवृत्तियां समाज में कृत्रिम विभाजन और संघर्ष की मानसिकता को बढ़ावा देती हैं। असम की वर्तमान परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए श्री कलिता ने कहा कि

एक ओर वैश्वीकरण की बात होती है, वहीं दूसरी ओर समाज को ऊपरी असम-निचला असम, बराक-ब्रह्मपुत्र, असमिया-बांग्लाभाषी, हिन्दीभाषी-गैर हिन्दीभाषी तथा विभिन्न जातीय समूहों के आधार पर विभाजित करने के प्रयास किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि विविधताओं को संघर्ष नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक समृद्धि का आधार बनाया जाना चाहिए। भाषा और लिपि से जुड़े प्रश्नों को भी समाज को बांटने का माध्यम नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य *वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिन:* तथा *एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति* जैसे सनातन मूल्यों के आधार पर समाज को संगठित कर विश्वबंधुत्व और सामाजिक समरसता का वातावरण निर्मित करना है। अपने आशीर्वचन में मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स स्थित पारंपरिक खासी राज्य हिमा खैरिम के उप-राजा श्री हाबापान सिं सियेम ने स्वधर्म आधारित सेंग खासी के प्राचीन उच्च मूल्यबोध समाज एवं देश में शांति स्थापन करने में सहायक बनेगी, ऐसा आशा व्यक्त की।

नगांव और कोकराझाड़ में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली आयोजित

नगांव (निसं)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर नगांव जिला प्रशासन, जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर सुबह नगांव विश्वविद्यालय परिसर से एक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसका शुभारंभ जिलाधिकारी देबाशीष शर्मा ने किया। उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि तंबाकू समाज को व्यापक रूप से नुकसान पहुंचा रहा है। गुटखा से शुरू होने वाली यह लत आगे चलकर सिगरेट, भांग और अंतत: कई लोगों को नशीले पदार्थों (ड्रग्स) की ओर धकेल देती है। इससे एक स्वस्थ और सुंदर समाज विनाश की ओर बढ़ता है। उन्होंने तंबाकू के उपयोग पर रोक लगाने के लिए सभी लोगों से सहयोग की अपील की। जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को स्वयं तंबाकू से दूर रहने तथा दूसरों को भी शांतिपूर्ण ढंग से इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने स्वयं नगांव शहर में निकाली गई रैली का नेतृत्व किया । रैली के उपरांत नगांव विश्वविद्यालय

के सभागार में एक जागरूकता सभा आयोजित की गई। सभा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव जगत दास, जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की प्रभारी अधिकारी डॉ. स्मिताक्षी फुकन, नगांव विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति ध्रुवज्योति बरुआ, तेजपुर कैंसर केंद्र के अधीक्षक डॉ. डीजे बोरा तथा जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा सहित कई वक्ताओं ने तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों पर अपने विचार रखे। डॉ. स्मिताक्षी फुकन ने तंबाकू नियंत्रण से संबंधित कानूनों के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी, जबकि डॉ. डीजे बोरा ने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से कैंसर रोग और उसके कारणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में स्कूली विद्यार्थियों के बीच आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। **कोकराझाड़** *से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्व तंबाकू निषेध दिवस* के अवसर पर आज कोकराझाड़ स्थित साल्वेशन फाउंडेशन रिहैब सेंटर (नशामुक्ति केंद्र) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। यह आयोजन जिला स्वास्थ्य समिति, कोकराझाड़ द्वारा असम कैंसर केयर फाउंडेशन (कोकराझाड़), केयर इंडिया फाउंडेशन और टारगेट इंटरवेंशन एनजीओ के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कौशिक दास ने की। इस अवसर पर डॉ. वसीम अख्तर बारी ने अपने संबोधन में तंबाकू के जानलेवा प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार तंबाकू का सेवन शरीर के विभिन्न अंगों में कैंसर का कारण बनता है। डॉ. कौशिक दास ने युवा पीढ़ी को विशेष रूप से आगाह किया और उन्हें तंबाकू और नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए धन्यवाद ज्ञापन सुभेंदु ब्रह्मा ने प्रस्तुत किया। जागरूकता सत्र के बाद वहां मौजूद कैदियों (इनमेट्स) के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तैयारी के साथ पहुंची थी। एनटीईपी कोकराझाड़ द्वारा उपलब्ध कराए गए पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से कैदियों के सीने की जांच की गई। लैब परीक्षण: शिविर में एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी की जांच भी की गई। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 61 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। कार्यक्रम में आरएनबी सिविल अस्पताल की आईसीटीसी टीम, एनटीईपी स्टाफ और रिहैब सेंटर के अन्य सहयोगी भी मौजूद रहे।

संपादकीय

लू से हलकान जिंदगी

हाल के दिनों में आसमान से बरसती आग से देश में जन-जीवन बुरी तरह झुलस रहा है। रोज तापमान बढ़ने के नये रिकॉर्ड सामने आ रहे हैं। ये असहनीय तापमान केवल स्वास्थ्य की चुनौती मात्र नहीं है, बल्कि एक आर्थिक संकट भी है। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक भीषण गर्मी में काम करने को मजबूर हैं। यदि वे ऐसा न करें तो उनके सामने आजीविका का संकट पैदा हो जाता है। स्कूल-कालेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो 'रोज कुंआ खोदकर पानी पीने' को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर ये अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे-धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बाबत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। इससे पहले वर्ष 2022 में विश्व बैंक ने चेतावनी दी थी कि भारत का तीन-चौथाई श्रमिक वर्ग लू से प्रभावित क्षेत्रों में काम करने को मजबूर है। अनुमान है कि लू के तनाव के कारण होने वाली विश्वव्यापी नौकरियों की कमी में भारत की हिस्सेदारी आधी हो सकती है। दरअसल, भारत में सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों में निर्माण श्रमिक, खेतिहर श्रमिक, किसान, स्ट्रीट वेंडर और डिलीवरी एजेंट शामिल हैं। हालांकि, समय-समय पर केंद्र व राज्य सरकारों ने कार्य समय का पुनर्निधारण, छायादार विश्राम क्षेत्र बनाने, जलपान सुविधा, सुरक्षात्मक कपड़े और स्वास्थ्य निगरानी को लेकर एडवाइजरी जारी की है, लेकिन फिर भी संकट के दायरे को देखते हुए ये उपाय नाकाफी हैं। देखा जाए तो फिलहाल भारत में गर्मी के संकट से मुकाबले के लिये बनायी गई योजनाएं काफी हद तक अस्थायी रूप से राहत देने वाली हैं। वक्त की मांग है कि भीषण गर्मी वाले महीनों के लिये तत्काल व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार किया जाए। ऐसा तंत्र विकसित करने की जरूरत है जो लू चलने के दौरान सुरक्षित कार्य परिस्थितियों को एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्रदान करे। इस साल के आरंभ में वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि भीषण गर्मी के दौरान चलने वाली लू को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अधिसूचित आपदाओं की सूची में शामिल किया जाए। निस्संदेह, इस वर्गीकरण से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष से मिलने वाले धन का उपयोग लोगों को राहत और सहायता प्रदान करने में मदद देगा। इसके अलावा लू के दौरान कई अन्य नकारात्मक प्रभाव भी देखने में आते हैं। मसलन इस समय बिजली व पानी की खपत अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाती है। इससे निबटने के लिये मजबूत और सक्रिय तंत्र विकसित करने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से देश के नीति-निर्माताओं और अन्य हितधारकों के सामने इस संकट से मुकाबले के लिये स्पष्ट विकल्प मौजूद हैं। केंद्र व राज्य सरकारों को चाहिए कि समय रहते निर्णायक रूप से अनुकूलन का तंत्र विकसित करें। यदि समय रहते इस दिशा में कदम नहीं उठाया गया तो भविष्य में अधिक मानवीय क्षति व आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

> स्कूल-कालेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो 'रोज कुंआ खोदकर पानी पीने' को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर ये अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे-धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बाबत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

विश्व माता-पिता दिवस- 1 जून, 2026

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

> माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः'- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है। हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान

श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है। आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे "सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास" की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं। विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

देश दुनीया से

नया न्यायिक सवेरा – जब न्याय समय पर मिले, तो हर घाव भर जाता है

भारतीय न्याय व्यवस्था में कुछ फैसले केवल कानूनी आदेश नहीं होते, बल्कि बदलाव की नई दिशा तय करते हैं। 29 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देश ऐसा ही एक ऐतिहासिक हस्तक्षेप है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सभी हाईकोर्टों को स्पष्ट किया कि सुनवाई पूरी होने के बाद सुरक्षित (रिजर्व) रखा गया कोई भी फैसला सामान्यतः तीन महीने से अधिक लंबित नहीं रहना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत जारी यह निर्देश महज प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि न्याय की मूल भावना को सशक्त करने का प्रयास है। वर्षों से न्यायालयों में गूंज रही "तारीख पर तारीख" की संस्कृति पर इसे एक निर्णायक और दूरगामी प्रहार माना जा रहा है। न्याय की सबसे बड़ी कसौटी केवल निर्णय नहीं, बल्कि उसका समय पर मिलना है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न्यायिक प्रक्रिया की उस गंभीर खामी पर प्रहार करता है, जिससे लाखों मुकदमेबाज वर्षों से प्रभावित होते रहे हैं। अनेक मामलों में बहस पूरी होने के बाद फैसले सुरक्षित रख लिए जाते थे, लेकिन उन्हें महीनों या वर्षों तक सुनाया नहीं जाता था। परिणामस्वरूप पक्षकार कानूनी अनिश्चितता में जीने को विवश हो जाते थे और उनका रोजगार, व्यवसाय तथा भविष्य अदालत के निर्णय की प्रतीक्षा में अटक जाता था। इसी वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि न्यायिक फैसलों का अनिश्चितकाल तक लंबित रहना स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि न्याय का अर्थ केवल सुनवाई नहीं, समय पर निर्णय भी है। इस आदेश की शक्ति उसके संवैधानिक आधार में निहित है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 21 केवल जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का ही नहीं, बल्कि समय पर न्याय की अपेक्षा का भी संरक्षक है। जब किसी व्यक्ति का सम्मान, रोजगार, भविष्य या स्वतंत्रता किसी फैसले पर निर्भर हो, तब निर्णय में अनावश्यक देरी उसके मौलिक अधिकारों को प्रभावित करती है। इसलिए न्यायालय ने समयबद्ध न्याय को महज प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व माना है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत का यह कथन कि उन्होंने अपने लगभग पंद्रह वर्षों के हाईकोर्ट कार्यकाल में कभी किसी रिजर्व फैसले को तीन महीने से अधिक लंबित नहीं रखा, पूरी न्यायपालिका के लिए एक प्रेरक मानक प्रस्तुत करता है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रश्न पर सुप्रीम कोर्ट ने सबसे स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया है। अदालत ने निर्देश दिया कि जमानत याचिकाओं पर आदेश आदर्श रूप से उसी दिन, अथवा अधिकतम अगले दिन जारी हो तथा इसकी सूचना तत्काल जेल प्रशासन तक पहुंचे। यह उन हजारों विचाराधीन कैदियों के लिए बड़ी राहत है, जो दोषसिद्धि के बिना लंबे समय से कारावास में हैं। न्यायालय का स्पष्ट मत है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रक्रियागत देरी की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता। जमानत मंजूर होने के बाद उसका त्वरित लाभ मिलना ही वास्तविक न्याय है। इससे न केवल जेलों का बोझ घटेगा, बल्कि न्यायपालिका में जनविश्वास भी और मजबूत होगा। इस ऐतिहासिक निर्देश की सबसे बड़ी ताकत उसका जवाबदेह निगरानी तंत्र है। सुप्रीम कोर्ट ने केवल समय-सीमा तय नहीं की, बल्कि उसके पालन की ठोस व्यवस्था भी सुनिश्चित की है। तीन महीने के भीतर फैसला न आने पर मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखा जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर दूसरी पीठ को सौंपा जा सकेगा। साथ ही लंबित रिजर्व मामलों की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह व्यवस्था पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करेगी। वहीं, जटिल मामलों के लिए सीमित छूट का प्रावधान रखकर न्यायालय ने व्यावहारिक संतुलन भी बनाए रखा है। यह पहल केवल लंबित फैसलों के निस्तारण का उपाय नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की कार्यसंस्कृति में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। देश में करोड़ों मुकदमे लंबित हैं और लगातार स्थगन, लंबी सुनवाई तथा निर्णयों में देरी ने आम नागरिक के मन में न्याय को एक थकाऊ और अंतहीन प्रक्रिया बना दिया था। सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बताता है कि शीर्ष अदालत अब केवल अंतिम फैसले सुनाने तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे न्यायिक तंत्र को अधिक उत्तरदायी, प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। समयबद्ध निर्णयों की संस्कृति विकसित होने से न्यायालयों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और मुकदमों के निस्तारण की गति को नई ऊर्जा मिलेगी। बेशक, इस सुधार की राह पूरी तरह आसान नहीं है। कई हाईकोर्ट न्यायाधीशों की कमी, बढ़ते मुकदमों के बोझ और जटिल मामलों की चुनौती से जूझ रहे हैं। कुछ मामलों में गहन अध्ययन के कारण निर्णय में अतिरिक्त समय भी स्वाभाविक है। फिर भी सुप्रीम कोर्ट ने व्यावहारिक संतुलन बनाए रखा है। अतिरिक्त पीठों का गठन, डिजिटल तकनीक का विस्तार, वैज्ञानिक केस मैनेजमेंट और प्रशासनिक दक्षता में सुधार इस बदलाव को गति दे सकते हैं। इन उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन से न्यायिक प्रक्रिया की रफ्तार और गुणवत्ता, दोनों में उल्लेखनीय सुधार संभव है। किसी भी न्यायिक सुधार की असली कसौटी उसका प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर होता है।

कुछ अलग

इटैलियन सिनेमा संघर्ष से पुनर्जन्म तक

कभी विश्व सिनेमा में अपनी अलग पहचान रखने वाला इटैलियन सिनेमा 1980 के दशक में दर्शकों, सिनेमाघरों और फिल्मों की संख्या में लगातार गिरावट का सामना कर रहा था। 1990 के शुरुआती वर्षों तक स्थिति इतनी खराब हो गई कि इटली में बनने वाली फिल्मों की हिस्सेदारी राष्ट्रीय बाजार में बहुत कम रह गई। हॉलीवुड की विशाल बजट वाली फिल्मों के सामने पारंपरिक इटैलियन शैली की फिल्में टिक नहीं पा रही थीं, निर्देशक और कलाकार टेलीविजन की ओर मुड़ने लगे। ऐसा लगने लगा था कि इटैलियन सिनेमा का स्वर्णिम दौर समाप्त हो चुका है। लेकिन 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक में नई सोच वाले निर्देशकों की एक पीढी सामने आई, जिसने इटैलियन सिनेमा को नई ऊर्जा दी। इन फिल्मकारों ने भव्यता के बजाय मानवीय संबंधों और सांस्कृतिक स्मृतियों को केंद्र में रखा। यही कारण था कि उनकी फिल्में केवल इटली ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में सराही गई। ज्यूसेपे तोरनातोरे की फिल्म न्यूवो सिनेमा पैराडिसो (1988) इस पुनर्जागरण का सबसे बड़ा प्रतीक बनी। यह फिल्म केवल एक सिनेमाघर की कहानी नहीं थी, बल्कि सिनेमा और दर्शकों के बीच भावनात्मक रिश्ते का उत्सव थी। फिल्म को ऑस्कर पुरस्कार मिलने के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इटैलियन सिनेमा की प्रतिष्ठा फिर से बढ़ने लगी। इसके बाद गैब्रियले साल्वातोरेस की मेडिटेरानेओ (1991) और रोबर्टो बेनिनी की लाइफ इज ब्यूटीफुल (1997) जैसी फिल्मों ने दुनिया को दिखाया कि इटली अब भी संवेदनशील और मानवीय कहानियां कहने की कला में अद्वितीय है।

आप का नजरीया

मां-बाप का हक

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां-बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है। यह विडंबना ही है कि उन मां-बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते। मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले-बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि 'मां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं', तो यह बात शर्मसार करने वाला है। जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अतः इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं। उनका ख्याल रखती हैं। विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं। बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है। बहरहाल, माता-पिता की सेवा-सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक सांस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक-कानूनी दायित्व भी है। हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था। जिसमें अपना हक पाने हेतु उसे न्यायिक हस्तक्षेप का सहारा लेना पड़ा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि किसी वृद्ध मां को आश्रय और आत्म स्वाभिमान हेतु बच्चों के खिलाफ कोर्ट-कचहरी करनी पड़े। निस्संदेह, यह उस भारतीय संयुक्त परिवार परंपरा का पराभव ही है जिसकी मिसाल पश्चिमी भोगवादी संस्कृति के अगुवा दिया करते थे। यहां न्यायालय के संवेदनशील व न्यायपूर्ण निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना करनी होगी, जिसमें कोर्ट ने निर्णय के खिलाफ दी गई पुत्र की याचिका को खारिज कर जुर्माना लगाया। यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त-प्रताड़ित माता-पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं। न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं।

> जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अत: इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं।

दृष्टि कोण

बंगाल के बाद ममता के लिए इंडी गठबंधन में भी "वजूद" का संकट गहराने लगा!

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 हारने के बाद टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी विपक्षी 'आईएनडीआईए' गठबंधन को लेकर अचानक बेहद सक्रिय हो गई हैं। बदले समीकरणों में राहुल गांधी ममता पर भारी पड़ रहे हैं। बंगाल चुनाव प्रचार से सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की रणनीतिक दूरी ममता बनर्जी के लिए बाधा बन कर उभरी है। ममता के मुख्यमंत्री रहते हुए जेडीयू के नीतीश कुमार को इस गठबंधन का संयोजक बनाने के प्रस्ताव पर बिफर जाने वाली और बंगाल में कांग्रेस-लेफ्ट को एक सीट न देने वाली ममता बनर्जी आज खुद को राष्ट्रीय राजनीति में प्रासंगिक बनाए रखने के लिए छटपटा रही हैं।राजनीति बंगाल चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में प्रचार न करके दूरगामी राजनीतिक संदेश दिया था, क्योंकि वे यूपी में कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन को किसी भी कीमत पर बचाना चाहते हैं। अब यदि 2027 के यूपी चुनाव में कांग्रेस और सपा का गठबंधन बरकरार रहता है, तो ममता बनर्जी के सामने सबसे बड़ा धर्मसंकट यह होगा कि क्या वे राहुल गांधी को विपक्ष का मुख्य चेहरा स्वीकार करेंगी, या फिर वे कांग्रेस और वामपंथियों के बिना एक नए 'थर्ड फ्रंट' की वकालत करेंगी। 2026 के बंगाल चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बंगाल के रण में ममता बनर्जी के पक्ष में एक भी चुनावी जनसभा या प्रचार नहीं किया जबकि 2021 के चुनाव में सपा ने टीएमसी के समर्थन में बकायदा अपनी टीम भेजी थी। बंगाल चुनाव में अखिलेश की दूरी का कारण था कि अगर वे बंगाल जाकर ममता बनर्जी के मंच पर खड़े होते, तो यूपी में कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन खटाई में पड़ सकता था क्योंकि बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के धुर विरोधी थे। जब गठबंधन के भीतर जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश कुमार को इस राष्ट्रीय मोर्चे का संयोजक या चेहरा बनाने की चर्चा चली थी, तब ममता बनर्जी इस कदर नाराज हो गई थीं कि उन्होंने बैठक तक से दूरी बनाने के संकेत दे दिए थे। बाद में उन्होंने बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों और फिर 2026 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और लेफ्ट को एक भी सीट देने से साफ इनकार कर दिया था। विश्लेषकों के अनुसार मगर आज स्थितियां पूरी तरह उलट गयी हैं। बंगाल की सत्ता हाथ से जाने के बाद ममता बनर्जी के पास अपनी राष्ट्रीय पहचान और राजनीतिक वजूद को बचाने के लिए 'आईएनडीआईए' गठबंधन की छत्रछाया में आने के अलावा कोई दूसरा मजबूत विकल्प नहीं बचा है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि यदि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन दोबारा मजबूती से मैदान में उतरता है, और देश के अन्य राज्यों में भी कांग्रेस ही विपक्ष की मुख्य धुरी बनी रहती है तो क्या ममता बनर्जी अपनी पुरानी जिद छोड़कर राहुल गांधी को विपक्ष का सर्वमान्य नेता स्वीकार कर लेंगी? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी के लिए राहुल गांधी के पीछे खड़े होना उनके राजनीतिक अहंकार और कड़े स्वभाव के विपरीत होगा, लेकिन सत्ता से बेदखल होने के बाद अब वे फ्रंट फुट के बजाय बैक फुट पर खेलने को मजबूर हैं। राजनीतिक गलियारों में एक चर्चा यह भी तैर रही है कि ममता बनर्जी वास्तव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'आईएनडीआईए' गठबंधन को मजबूत नहीं करना चाहतीं, बल्कि वे इसके भीतर रहकर एक ऐसा 'दबाव समूह' बनाना चाहती हैं जो कांग्रेस और विशेषकर राहुल गांधी की लीडरशिप को कमजोर कर सके। ममता बनर्जी आज भी एक ऐसे 'थर्ड फ्रंट' या 'बिन कांग्रेस' वाले मोर्चे की पक्षधर है जहां क्षेत्रीय क्षत्रपों जैसे अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल और स्टालिन का दबदबा हो और वे खुद उस मोर्चे की मार्गदर्शक या मुख्य चेहरा बन सकें। जानकारों की माने तो इस पूरे त्रिकोण में सबसे दिलचस्प स्थिति वामपंथी दलों सीपीआई-एम और अन्य लेफ्ट पार्टियों की है।

पंजाब की जनता ने काम की राजनीति पर लगाई मुहर : वीरेंद्र नरवाल

हिसार (हिंस)। पंजाब निकाय चुनाव में जनता ने आम आदमी पार्टी की काम की राजनीति पर मुहर लगाई है। जनता ने जान लिया है कि केवल आम आदमी पार्टी ही हर वर्ग की हितैषी है। यह बात आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय प्रभारी वीरेंद्र नरवाल ने कही। उन्होंने रविवार को कहा कि पंजाब की जनता ने *ईडी पार्टी की राजनीति* को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव में बीजेपी के 1142 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। उन्होंने कहा कि पंजाब में नफरत और डर की राजनीति नहीं चलती और जनता ईमानदारी व काम की राजनीति के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि इन चुनावों में भाजपा अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाई क्योंकि भाजपा की पुरजोर कोशिश थी कि चुनाव ईवीएम से हो जबकि आम आदमी पार्टी ने जनता की इच्छा अनुरूप बेल्ट पेपर से चुनाव करवाना उचित समझा और परिणाम भी सबके सामने है। वीरेंद्र नरवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में अनेक ऐसे जनहित के कार्य किए हैं जो आज से पहले सत्ता में रहा कोई भी राजनीतिक दल नहीं करवा पाया।

पीएम के विचार देशवासियों में कर्तव्यबोध और आत्मविश्वास का संचार करते हैं : विजय सिन्हा

पटना (हिंस)। बिहार सरकार के मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता विजय कुमार सिन्हा ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय, पटना में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* को सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि *मन की बात* केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों को जोड़ने वाला जनसंवाद का सशक्त मंच है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण की भावना को निरंतर मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि अपने प्रेरणादायी संबोधन में प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी के दौरान जनसुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, भारत की समृद्ध आम संस्कृति और उसके वैश्विक निर्यात, खेल जगत में उभरती नई प्रतिभाओं, सामाजिक नवाचारों, सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों का मार्गदर्शन किया। प्रधानमंत्री के विचार समाज के प्रत्येक वर्ग को जागरूक करने के साथ-साथ राष्ट्रहित में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भारत की विविधता, सांस्कृतिक विरासत, युवाओं की प्रतिभा और जनभागीदारी की शक्ति को विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि देशभर में लाखों लोग अपने छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यही सामूहिक शक्ति विकसित भारत के निर्माण का आधार है। मंत्री सिन्हा ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक धरोहरों की वापसी, *ज्ञान भारतम् अभियान* के अंतर्गत हो रही ऐतिहासिक खोजों तथा गंगा डॉल्फिन संरक्षण जैसे विषय देश की गौरवशाली विरासत और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाते हैं। इन पहलों से देशवासियों में अपनी संस्कृति, इतिहास और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रत्येक संवाद देशवासियों में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और राष्ट्रसेवा की भावना का संचार करता है। *मन की बात* विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज के हर वर्ग को राष्ट्र निर्माण के अभियान से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। भाजपा कार्यकर्ता भी इसी भावना के साथ समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। इस मौके पर प्रदेश के पदाधिकारी और ब?ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और पीएम मोदी की मन कि बात को तन्मयता से सुना।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं के साथ सुना *मन की बात* कार्यक्रम

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को *मन की बात* कार्यक्रम के 134वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर युवाओं के साथ कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में झारखंड के रांची में आयोजित राष्ट्रीय वरिष्ठ एथलेटिक्स महासंघ प्रतियोगिता का उल्लेख करते हुए एथलीट गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर से संवाद किया। उन्होंने देशवासियों से भीषण गर्मी के दौरान स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की अपील की तथा विभिन्न राज्यों के आमों की विशेष किस्मों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने सामाजिक सरोकारों से जुड़े कई प्रेरणादायी प्रयासों का उल्लेख करते हुए केरल के आलुवा में साजी वलाशेरिल द्वारा संचालित अनूठे तैराकी क्लब, बेंगलुरु की खगोल विज्ञान संस्थाओं, रात्रि अवलोकन शिविरों तथा भारत की पहली गंगा डॉलफिन बचाव एम्बुलेंस की जानकारी साझा की। इसके साथ ही उन्होंने उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले में आकाश गुप्ता द्वारा मनोरमा नदी संरक्षण के प्रयास, गोवा के बालकृष्ण अइया द्वारा पाइपलाइन बिछाने के कार्य तथा तमिलनाडु की गिरिजा अम्मा के सैनिकों के लिए चलाए जा रहे अभियान की सराहना की। प्रधानमंत्री ने हाल ही में अपनी नीदरलैंड यात्रा के दौरान चोल कालीन प्राचीन ताम्र पट्टिकाओं की भारत वापसी का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा नवाचार अपनाकर अपने कौशल को विकसित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार युवाओं को सकारात्मक परिवर्तन और विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम में अरूण चतुर्वेदी, केके विश्नोई, मदन राठौड़ सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

बढ़ती महंगाई के बीच बीकानेर वाटर कैंपर एसोसिएशन का बड़ा फैसला, 1 जुलाई से लागू होंगी नई दरें

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर वाटर कैंपर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक कार्यवाहक अध्यक्ष श्याम राठी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पानी कैंपर व्यवसाय से जुड़े वर्तमान हालात, बढ़ती लागत और भविष्य की चुनौतियों पर गंभीरता से चर्चा की गइ तथा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 1 जुलाई 2026 से पानी सप्लाई की नई दरें लागू की जाएंगी। अध्यक्ष श्याम राठी ने बताया कि बैठक में तय किया गया कि बाजार क्षेत्र में मासिक पानी सप्लाई की न्यूनतम दर 600 रुपए प्रति कैंपर प्रतिमाह होगी, जबकि विवाह समारोह, घरेलू उपयोग एवं अन्य आयोजनों के लिए पानी कैंपर की न्यूनतम दर 30 रुपए प्रति कैंपर निर्धारित की गई है। एसोसिएशन के सदस्यों ने पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से पानी सप्लाई की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई थी, जबकि इस दौरान डीजल, बिजली, वाहन रखरखाव, स्टाफ वेतन तथा अन्य संचालन खर्चों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा टैंकरों के माध्यम से भी पानी मंगवाना पड़ता है, जिससे लागत और अधिक बढ़ जाती है। लगातार बढ़ती महंगाई के बावजूद वर्षों से पुराने रेट पर काम करना व्यवसाय के लिए चुनौतीपूर्ण होता जा रहा था। ऐसे में ग्राहकों को निर्बाध एवं बेहतर सेवा उपलब्ध कराने तथा व्यवसाय को सुचारू रूप से संचालित रखने के लिए यह निर्णय आवश्यक हो गया था। एसोसिएशन के कमल गहलोत ने बताया कि बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि एसोसिएशन की अगली बैठक 6 जून को आयोजित की जाएगी, जिसमें नए निर्णयों की समीक्षा के साथ अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने संगठन की एकता बनाए रखने और तय दरों का पालन करने का संकल्प लिया तथा व्यापारी वर्ग एवं आमजन से भी सहयोग की अपील की। मीटिंग में उमाशंकर सोलंकी, नितेश लखोटिया, कमलेश धतरवाल, कुलदीप तंवर, करणपाल सिंह, जगदीश चौधरी, अंकित ढढ्ढा जैन, नवदीप गहलोत, करण चौधरी, अंकित जैन, हरिराम कुमावत, प्रेम चौधरी, रिंकू कस्वा, मोहनलाल उपाध्यय, शंकर भादानी, मनोज खुड़िया, श्रवण प्रजापत, प्रेम चौधरी, रमेश शर्मा, रवींद्रसिंह राठौर, मुरली वोरावड, राजाराम विश्नोई, दीनदयाल शर्मा, सुनील गोयल, श्रवण राम, भूपेंद्र कुमार गेरा आदि उपस्थित रहे।

जमानत मिलने के बाद बठिंडा जेल से रिहा हुए विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा

चंडीगढ़ (हिंस)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा को अदालत से जमानत मिलने के बाद रविवार को बठिंडा जेल से रिहा कर दिया गया। जेल से बाहर आते ही उनके समर्थकों में उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मीडिया से बातचीत करते हुए पठानमाजरा ने कहा कि उन्हें राजनीतिक और व्यक्तिगत कारणों से गलत तरीके से फंसाया गया था। उन्होंने कहा कि करीब एक वर्ष जेल में रहने के बावजूद उनके खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं हो सका और आज सत्य की जीत हुई है। पठानमाजरा ने कहा कि खनन से जुड़े मामले में भी उनके खिलाफ कोई गवाह सामने नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि पार्टी नेतृत्व को उनके बारे में कोई संदेह था, तो उनसे सीधे बातचीत की जा सकती थी। विधायक ने अपने विधानसभा क्षेत्र सनौर के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा क्षेत्र की समस्याओं को उठाया, लेकिन पर्याप्त फंड जारी न होने के कारण कई विकास परियोजनाएं प्रभावित हुईं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी राजनीतिक स्वीकार्यता आज भी बरकरार है और कई राजनीतिक दल उनसे संपर्क बनाए हुए हैं। उन्होंने अपनी ईमानदारी और जनाधार का हवाला देते हुए कहा कि जनता का समर्थन उनके साथ है और आगे भी रहेगा। हरमीत सिंह पठानमाजरा के खिलाफ पटियाला के सिविल लाइन थाना में बलात्कार, धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद सितंबर में हरियाणा के करनाल में उनकी गिरफ्तारी हुई थी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के दौरान फायरिंग और पथराव की घटना भी हुई थी, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया था।

पहली ही बारिश में टपका पंजाब का हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जांच के आदेश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टर्मिनल भवन पहली ही तेज बारिश और आंधी के बाद विवादों में घिर गया है। शनिवार को हुई भारी बारिश और तेज हवाओं के चलते एयरपोर्ट टर्मिनल के कई हिस्सों को नुकसान पहुंचा, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले की जांच के आदेश भी दिए गए हैं। एयरपोर्ट के प्रस्थान क्षेत्र और टिकट काउंटरों के पास फॉल्स सीलिंग, छत के पैनल और सजावटी ढांचे के कुछ हिस्से गिर गए। इसके अलावा टर्मिनल भवन के विभिन्न हिस्सों से पानी रिसने की शिकायतें भी सामने आई हैं। घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए। करीब 54 करोड़ रुपए की लागत से बने इस प्रोजेक्ट में टर्मिनल भवन पर लगभग 27 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। वर्ष 2021 में शुरू हुई इस परियोजना को निर्माण के दौरान कई बार देरी का सामना करना पड़ा। बताया जाता है कि मूल ठेकेदार ने बीच में ही काम छोड़ दिया था, जिसके बाद शेष निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने *कॉस्ट एंड रिस्क* क्लॉज के तहत पूरा कराया। हलवारा एयरपोर्ट के निदेशक जगिर सिंह ने बताया कि क्षेत्र में आए तेज तूफान और भारी बारिश के कारण यह नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं और मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है, जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा। मामले को लेकर जांच शुरू कर दी गई है, ताकि नुकसान के वास्तविक कारणों और जिम्मेदारियों का पता लगाया जा सके।

उप्र में 125 दिनों की रोजगार गारंटी से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा होगी सुदृढ़ : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं समृद्ध बनाने की दिशा में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (जी राम जी) एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी कदम है। यह अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का विस्तार करने, आजीविका को सुदृढ़ बनाने तथा प्रत्येक ग्रामीण परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभिनव अधिनियम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्वरोजगार एवं कौशल विकास को नई गति प्राप्त होगी तथा आय सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा। यह अधिनियम केवल आर्थिक प्रगति का माध्यम नहीं है, बल्कि *विकसित भारत* के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचाने का एक प्रभावी अभियान भी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, 2025 के माध्यम से ग्रामीण श्रमिक परिवारों को अब और अधिक रोजगार सुरक्षा प्रदान की जा रही है। प्रदेश में रोजगार की गारंटी को मजबूत करते हुए अधिनियम के अंतर्गत कार्य दिवसों की सीमा बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। यह निर्णय ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि, आजीविका सशक्तिकरण तथा आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मौर्य ने कहा कि 125 दिनों के रोजगार अवसर से श्रमिक भाइयों एवं बहनों को अधिक कार्य, बेहतर आय तथा आत्मनिर्भर जीवन जीने की नई शक्ति प्राप्त होगी। सरकार ग्रामीण विकास एवं जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ कर रही है तथा यह अधिनियम उसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, 2025 प्रदेश के प्रत्येक गांव के विकास में नई ऊर्जा का संचार करेगा। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, आय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी तथा समग्र विकास की प्रक्रिया में प्रत्येक ग्रामीण परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान करते हुए आजीविका के विविध अवसरों का विस्तार करेगा तथा सतत एवं समावेशी विकास के लक्ष्य को गति देगा। विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह अधिनियम एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। मौर्य ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे आत्मनिर्भर गांव, सशक्त परिवार और समृद्ध भारत के निर्माण के इस अभियान में सहभागी बनें तथा ग्रामीण विकास की इस परिवर्तनकारी पहल को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

आईपीएस राजीव कृष्ण उत्तर प्रदेश के पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में लगभग चार साल बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मिल गया है। राज्य सरकार ने 1991 बैच के आईपीएस और वर्तमान के कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्ण को उत्तर प्रदेश का पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त कर दिया है। इस आशय का आदेश रविवार शाम को अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद की ओर से जारी कर दिया गया। दरअसल 11 मई 2022 को राज्य सरकार ने तत्कालीन डीजीपी मुकुल गोयल को उनके पद से हटा दिया था। इसके बाद प्रदेश में कार्यवाहक डीजीपी ही बनाए जा रहे थे। इसको लेकर लगातार विपक्षी दल योगी सरकार को घेर रही थी। इससे पहले संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 26 मई को हुई बैठक में 1990 बैच की आईपीएस रेणुका मिश्रा, 1991 बैच आईपीएस पीयूष आनंद और राजीव कृष्ण का नाम भेजा गया था।

राजस्थान एआई समिट में गूंजा एआई आधारित भारत का विजन

जयपुर (हिंस)। शिक्षा और उद्योग के बीच बढ़ते स्किल गैप, प्रैक्टिकल ट्रेनिंग की आवश्यकता, स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने और नवाचार को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में रविवार राइट कोड सोसायटी द्वारा आयोजित राजस्थान एआई समिट 2026 का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से आए शिक्षाविदों, तकनीकी विशेषज्ञों, स्टार्टअप संस्थापकों, उद्योग प्रतिनिधियों और युवाओं ने भाग लिया। इस समिट में भारत को एआई और उभरती तकनीकों के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने के विजन पर व्यापक चर्चा हुई। राइट कोड सोसायटी के गौरव शर्मा और आयोजन मेंटर, डॉ. आशुतोष पंत ने बताया कि भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति है, जिसे सही कौशल और अवसर प्रदान कर एआई क्रांति का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जा सकता है। डीफेन्स रोबोट्स की एक प्रदर्शनी भी आयोजित भी की गयी। जिसमें कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष, आदित्य नाग समिट में ए आई एवं आई टी विशेषज्ञों में एनआईएक्सआई के सीईओ डॉ. देवेश त्यागी, चीफ एडवाइजर स्ट्रैटिजिक अफेयर्स, डॉ. निशाकांत ओझा फॉर्मर इंडिपेंडेंट डायरेक्टर, आईओसीएल (सीएसआर) डॉ. आशुतोष पंत, एसोसिएट प्रोफेसर एवं पूर्व चेयरमैन, एआई और रोबोटिक्स सेंटर, आईआईटी मंडी, प्रो. डॉ. अमित शुक्ला ऑस्कर विजेता हॉलीवुड एडिटर, डॉ. अनुराधा सिंह और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, एआई -एमएल, आईओसीएल, मनीष मलिक ने हेल्थकेयर, शिक्षा, कृषि, रोबोटिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में एआई की बढ़ती भूमिका और उससे उत्पन्न होने वाले रोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण *भारत भाग्य विधाता* (बीबीवी) पहल रही। इस पहल के तहत युवाओं को एआई-एमएल से जुड़े 1000 से अधिक कोर्स, वर्कशॉप, प्रशिक्षण कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अवसर और रोजगारोन्मुख संसाधन उपलब्ध कराने की योजना साझा की गई।

कानपुर में सीसीटीवी की निगरानी में संपन्न हुई बीएड प्रवेश परीक्षा, 957 अभ्यर्थियों ने छोड़ दी परीक्षा

कानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 शहर के 19 केंद्रों पर रविवार को पूरी हो गई। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। कुल 9168 अभ्यर्थी इस परीक्षा में शहर के लिए पंजीकृत थे। जिसमें पहली पाली में 8211 अभ्यर्थी उपस्थित रहे , जबकि 957 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। वही दूसरी पाली में 8219 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, 949 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहें। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई और अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई। इस बार संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ने किया। पहली पाली सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित की गई। यह परीक्षा शहर के 19 केंद्रों पर आयोजित की गई। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए सभी केंद्रों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय और बैठने की समुचित व्यवस्था भी गई। जिला प्रशासन की ओर से सभी 19 केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। कंट्रोल रूम से परीक्षा की लाइव मॉनिटरिंग की गई। जिलाधिकारी द्वारा नियुक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षक व सीएसजेएमयू के नोडल अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा, नोडल समन्वयक डॉ. बी पी सिंह, कानपुर नगर के समन्वयक डॉ. नीरज कुमार ने किया सभी केंद्रों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। किसी भी केंद्र से नकल या अव्यवस्था की कोई सूचना नहीं रही। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए प्रशासन ने सख्त इंतजाम किए थे। सुबह से सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। सभी केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, कैलकुलेटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को पूरी तरह प्रतिबंधित रखा गया। मुख्य द्वार पर ही अभ्यर्थियों की मेटल डिटेक्टर से सघन तलाशी ली गई। प्रवेश पत्र और वैध पहचान पत्र की गहन जांच के बाद ही केंद्र में प्रवेश दिया गया। प्रत्येक कक्ष में दो कक्ष निरीक्षक और उड़नदस्तों की तैनाती की गई थी। पहली पाली से पेपर देकर बाहर निकली अभ्यर्थी शोभना मिश्रा ने बताया कि पेपर सामान्य रहा। वहीं दूसरी पाली में विषय आधारित प्रश्न पूछे गए।

बाढ़ 2026 की तैयारी को लेकर प्रशासन अलर्ट, कोशी तटबंध के भीतर दुबियाही व मौजहा पंचायत का निरीक्षण

सुपौल (हिंस)। आगामी बाढ़ 2026 को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार को किशनपुर प्रखंड अंतर्गत कोशी तटबंध के भीतर स्थित दुबियाही एवं मौजहा पंचायत का एसडीएम मनोहर कुमार साहु और एसडीपीओ ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बाढ़ और कटाव से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया तथा स्थानीय लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बाढ़ के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएंगी। निरीक्षण दल में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) मनोहर साहु, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सुपौल, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) किशनपुर, संबंधित तटबंध के पदाधिकारी, अभियंता, पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। अधिकारियों ने तटबंध के भीतर बसे गांवों की भौगोलिक स्थिति, संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और कटाव की गंभीरता का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुबियाही और मौजहा पंचायत के उन इलाकों का विशेष रूप से दौरा किया जहां कोशी नदी के कटाव का खतरा बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि हर वर्ष बाढ़ और कटाव के कारण उनकी कृषि भूमि और आवासीय क्षेत्र प्रभावित होते हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। ग्रामीणों ने कटाव निरोधी कार्यों को शीघ्र शुरू करने और प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि सरकार की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कटाव प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही जिन परिवारों के विस्थापन की संभावना है, उनके पुनर्स्थापना की प्रक्रिया भी प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाएगी। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने कटाव प्रभावित स्थलों पर मौजूद अभियंताओं को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि जहां कटाव की आशंका अधिक है, वहां तत्काल प्रभाव से सुरक्षा एवं बचाव कार्य शुरू किए जाएं। कटाव रोकने के लिए आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने, संवेदनशील स्थलों की नियमित निगरानी करने तथा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कार्ययोजना तैयार रखने का निर्देश दिया गया। एसडीएम ने कहा कि बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा लगातार की जा रही है और सरकार की मंशा है कि तटबंध के भीतर रहने वाले लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि प्रशासन बाढ़ संभावित क्षेत्रों की सूची तैयार कर रहा है तथा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जा रही है। नाव, राहत सामग्री, चिकित्सा सुविधाएं तथा सुरक्षित शरण स्थलों की उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों से अपील की कि वे बाढ़ के समय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें। अधिकारियों ने कहा कि जनसहभागिता से ही आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सकता है। स्थानीय मुखिया ने प्रशासन द्वारा किए जा रहे निरीक्षण और तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि समय रहते किए गए ऐसे प्रयासों से लोगों का भरोसा बढ़ता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कटाव निरोधी कार्यों को जल्द पूरा कर लिया जाएगा, जिससे बाढ़ के दौरान होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं, उपभोक्ताओं को राहत

लगातार दूसरे महीने दाम स्थिर, सरकार ने पर्याप्त आपूर्ति का भरोसा दिलाया

नई दिल्ली

रविवार को घरेलू और कामर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया, जिससे उपभोक्ताओं को एक बार फिर राहत मिली है। आयल मार्केटिंग कंपनियों ने देश के प्रमुख शहरों के लिए सिलेंडर के दाम स्थिर रखने का फैसला किया है। ईरान युद्ध और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण पिछले कुछ महीनों से बढ़ रही कीमतों के बीच यह स्थिरता महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दिल्ली में 14.2 किलोग्राम का घरेलू एलपीजी सिलेंडर अब भी 913 रुपये में मिल रहा है, जबकि मुंबई में यह 912.50 रुपये का है। कोलकाता में इसकी कीमत 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये बनी हुई है। अन्य प्रमुख शहरों जैसे गुरुग्राम में 921.50 रुपये, नोएडा में 910.50 रुपये, बेंगलुरु में 915.50 रुपये और पटना में 1002.50 रुपये पर घरेलू सिलेंडर उपलब्ध है।

पिछले महीने कामर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 900 रुपये का बड़ा इजाफा हुआ था, लेकिन उसके बाद से इसमें भी कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

नई दिल्ली में कामर्शियल सिलेंडर 3071.50 रुपये, कोलकाता में 3202 रुपये और मुंबई में 3024 रुपये पर स्थिर है। इस बीच केंद्र सरकार ने उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि देश में एलपीजी की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है और किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सरकार ने घरेलू कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है, जिसके परिणामस्वरूप मौजूदा उत्पादन 52,000 टन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा देश की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक होगा।

एलपीजी सिलेंडर की खरीद और बुकिंग को लेकर भी नियमों में सख्ती की गई है। अब बिना ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के सिलेंडर की डिलीवरी नहीं की जाएगी। इसके अलावा, सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन और शहरी क्षेत्रों में 25 दिन की न्यूनतम अवधि तय की है, जिसके पहले नए सिलेंडर की बुकिंग नहीं की जा सकती है। ये नियम सुनिश्चित करेंगे कि एलपीजी का वितरण सुचारू और पारदर्शी तरीके से हो।

न्यूज ब्रीफ

नई मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हीरो मोटोकार्प ने अपनी नई मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 लान्च कर दी है।कंपनी का कहना है कि यह बाइक रोजमर्रा के इस्तेमाल को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इस बाइक की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 86,500 रुपये तय की है। नया माडल आधुनिक डिजाइन, एडवांस फीचर्स और बेहतर माइलेज के साथ पेश किया गया है। नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 में 124.7 सीसी का सिंगल सिलेंडर एयर कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 7500 आरपीएम पर 10 हार्सपावर और 6000 आरपीएम पर 10.6 एनएम टार्क जनरेट करता है। कंपनी का दावा है कि प्रोग्राम्ड फ्यूल इंजेक्शन और आइडल स्टाप-स्टार्ट तकनीक की मदद से यह मोटरसाइकिल 72 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है। बाइक में इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर और आईएस तकनीक भी दी गई है, जिससे ट्रैफिक में इंजन अपने आप बंद और दोबारा स्टार्ट हो जाता है। इससे ईंधन की बचत में मदद मिलती है। सुरक्षा के लिहाज से इसमें फ्रंट डिस्क ब्रेक, टेलीस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन, हैजर्ड लाइट्स और हैंडलबार पर इंजन किल स्विच दिया गया है। मोटरसाइकिल में पूरी तरह डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है, जिसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी की सुविधा दी गई है। इसके जरिए राइडर को काल, मैसेज और फोन बैटरी से जुड़े अलर्ट दिखाई देते हैं। यह ग्लासी ब्लैक, कैंडी ब्लेजिंग रेड, मैट एक्सिस ग्रे, मैट नेक्सस ब्लू और मैट चेस्टनट ब्राउन जैसे पांच रंगों में उपलब्ध होगी।

जून से बढ़ेंगी हुंडई और मारुति की कारों की कीमतें

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनियां मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। इस बारे में हुंडई कंपनी ने जानकारी दी है कि नई कीमतें 1 जून 2026 से लागू होंगी। माडल और वैरिएंट के आधार पर कारों की कीमत में अधिकतम 12,800 रुपए तक का इजाफा किया जाएगा। कंपनी के अनुसार कच्चे माल, इनपुट लागत और आपरेशनल खर्चों में लगातार बढ़ोतरी के कारण यह फैसला लिया गया है। कंपनी ने अपनी ताजा रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि मौजूदा बाजार परिस्थितियों और ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कीमतों में संशोधन किया जा रहा है। हुंडई का कहना है कि उसने बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा खुद वहन करने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ कम पड़े, लेकिन अब मामूली कीमत बढ़ोतरी जरूरी हो गई है। वहीं मारुति सुजुकी इंडिया ने भी जून 2026 से अपनी कारों की कीमत बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी के अनुसार अलग-अलग माडलों की कीमतों में अधिकतम 30,000 रुपए तक की वृद्धि की जाएगी। मारुति ने इसके पीछे बढ़ती इनपुट लागत और महंगाई के दबाव को मुख्य वजह बताया है। कंपनी ने कहा कि वह अब तक आंतरिक उपायों के जरिए लागत को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन लगातार बढ़ते खर्चों के कारण अब इसका कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना जरूरी हो गया है।

ओला की इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में जल्द होगी एंट्री

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक भारत के कमर्शियल इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में एंट्री करने की तैयारी कर रही है। कंपनी जल्द ही नया इलेक्ट्रिक स्कूटर लान्च कर सकती है, जिसे खास तौर पर फूड डिलीवरी, क्विक कामर्स और फ्लीट आपरेशन जैसे कमर्शियल उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। जानकारी के मुताबिक इस स्कूटर को जरूरी रेग्युलेटरी मंजूरी भी मिल चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन आफ इंडिया ने फरवरी 2026 में इस स्कूटर को सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स के तहत होमोलोगेशन प्रदान किया है। यह एल1 कैटेगरी का इलेक्ट्रिक स्कूटर होगा, जिसमें 4 किलोवाट की मोटर दी जाएगी। इसकी अधिकतम रफ्तार लगभग 70 किलोमीटर प्रति घंटा बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि यह स्कूटर कंपनी के मौजूदा ओला एस1 प्लेटफार्म पर आधारित होगा, लेकिन इसमें कम रनिंग कास्ट, बेहतर रेंज और लगातार उपयोग की क्षमता पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसे खासतौर पर डिलीवरी राइडर्स और फ्लीट आपरेटर्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। हाल ही में कंपनी के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने कहा था कि ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण गिग वर्कर्स के बीच इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है।

एनएसई ने बढ़ाया ट्रेडिंग का समय, अब 3 : 40 बजे तक खुलेगा बाजार

क्लोजिंग आक्शन सिस्टम से तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया कदम

मुंबई

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के कारोबार में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के ट्रेडिंग समय को 10 मिनट बढ़ा दिया है। अब डेरिवेटिव्स मार्केट शाम 3:40 बजे तक खुला रहेगा, जो पहले 3:30 बजे बंद होता था। यह कदम कैश मार्केट में हाल ही में शुरू हुए क्लोजिंग आक्शन सिस्टम (सीएएस) के साथ तालमेल बिठाने और बाजार को अधिक दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस बदलाव के तहत, जहां ट्रेडिंग की टाइमिंग में वृद्धि की गई है, वहीं डेरिवेटिव्स कान्ट्रैक्ट के क्लोजिंग प्राइस तय करने के तरीके में भी आंशिक बदलाव किया गया है। अब क्लोजिंग प्राइस की गणना के लिए उपयोग होने वाला वाल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस शाम 3:10 बजे से 3:40 बजे के बीच हुए सौदों के आधार पर तय होगा। हालांकि, प्री-ओपन सेशन और ट्रेड माडिफिकेशन विंडो के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। एनएसई ने अपने सर्कुलर में बताया कि यह निर्णय क्लोजिंग आक्शन सेशन (सीएएस) को पूरी तरह से लागू करने का एक हिस्सा है। सीएएस एक विशेष ट्रेडिंग सेशन है जो दिन के अंत में किसी शेयर का निष्पक्ष और पारदर्शी क्लोजिंग प्राइस निर्धारित करने में मदद करता है। इस 20 मिनट के सेशन में 3:15 से 3:20 बजे तक ट्रांजिशन फेज, 3:20 से 3:25 बजे तक मार्केट और लिमिट आर्डर डालने की सुविधा और 3:25 से 3:30 बजे के बीच केवल लिमिट आर्डर की अनुमति होगी। सीएएस के दौरान तय किए गए नए प्राइस बैंड और प्री-ट्रेड रिस्क कंट्रोल नियम अब डेरिवेटिव्स सेगमेंट पर भी लागू होंगे। ब्रोकरों और ट्रेडिंग सदस्यों को सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए अपने ट्रेडिंग एप्लीकेशन्स में आवश्यक अपडेट करने की सलाह दी गई है। एनएसई ने यह भी जानकारी दी है कि इस बदलाव से होने वाले कार्यात्मक परिवर्तनों का परीक्षण आगामी माक ट्रेडिंग सत्रों के दौरान किया जाएगा, ताकि प्रभावी तिथि से पहले सभी प्रणालियां तैयार हों। यह कदम भारतीय शेयर बाजार में पारदर्शिता और स्थिरता को और मजबूत करेगा।

शीर्ष सात कंपनियों के मार्केट कैप से 1.54 लाख करोड़ साफ , रिलायंस, बैंकिंग और आईटी सेक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान, एलएंडटी और एसबीआई को राहत

मुंबई । पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार ने सुस्ती और गिरावट का सामना किया, खासकर देश की शीर्ष कंपनियों के लिए। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी दिनों वाले इस अवधि में 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 7 के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से लगभग 1.54 लाख करोड़ रुपये की भारी कमी दर्ज की गई। बाजार में इस गिरावट का सबसे ज्यादा खामियाजा दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को भुगतना पड़ा। रिलायंस की मार्केट वैल्यू 46,078.3 करोड़ रुपये घटकर 17,87,039.40 करोड़ रुपये रह गई। बैंकिंग सेक्टर भी इस कमजोरी से अछूता नहीं रहा, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 33,333.06 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 6,311.41 करोड़ रुपये घट गया। टेलीकाम दिग्गज भारती एयरटेल की बाजार हैसियत में 25,408.96 करोड़ रुपये की गिरावट आई, जबकि आईटी सेक्टर की बड़ी कंपनी टीसीएच का वैल्यूएशन भी 22,920.58 करोड़ रुपये कम हुआ। इसके अलावा, हिंदुस्तान यूनिलीवर को 13,169.46 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस को 7,253.24 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। हालांकि, बाजार की इस चौतरफा गिरावट के बीच कुछ कंपनियों ने मजबूत प्रदर्शन दिखाया। लार्सन एंड टुब्रो के मार्केट कैप में सबसे शानदार उछाल आया और यह 20,608.43 करोड़ रुपये बढ़कर निवेशकों के लिए राहत लेकर आया। सरकारी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एसबीआई का मूल्यांकन भी 13,753.62 करोड़ रुपये बढ़ा, जबकि सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी ने भी 6,040.37 करोड़ रुपये की बढ़त दर्ज की। इन उतार-चढ़ाव के बावजूद देश की टाप 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले पायदान पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल का स्थान आता है।

इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री, अमेरिका को पछाड़ा

नई दिल्ली

भारत ने अप्रैल 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक कारों की मांग (पेनेट्रेशन) के मामले में अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले महीने इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री हुई। वाहन रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में भारत में बिकने वाली कुल नई कारों में से 5.8 प्रतिशत इलेक्ट्रिक थीं। यह आंकड़ा मार्च 2026 के 5.1 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल के सिर्फ 3.7 प्रतिशत से काफी अधिक है।

नए-नए माडलों के बाजार में आने से इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में यह तेजी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। इसके विपरीत, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कार बाजार अमेरिका में बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी गिरकर 5.1 प्रतिशत पर आ गई। इस तरह, प्रतिशत के मामले में भारत ने इस बार अमेरिका को पछाड़कर बाजी मार ली है। हालांकि, अगर कुल बिक्री के आंकड़ों की बात करें तो भारत अभी भी अमेरिका से काफी पीछे है, क्योंकि अमेरिका का कुल कार बाजार भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। अप्रैल में भारत में लगभग 23,500 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जबकि अमेरिका में इसी दौरान लगभग 70,000 इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। अमेरिका में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें बेच रही है, उसके बाद जनरल मोटर्स, फोर्ड और हुंडई जैसी कंपनियां हैं। भारत में पूरी कहानी देसी कंपनियों के इर्द-गिर्द घूम रही है, जहाँ टाटा मोटर्स का दबदबा कायम है। टाटा ने अप्रैल में 8,543 गाड़ियां बेचकर सालाना आधार पर 92 प्रतिशत की भारी बढ़त दर्ज की। दूसरे स्थान पर महिंद्रा एंड महिंद्रा रही, जिसने 5,413 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं, जबकि तीसरे पायदान पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने 5,006 गाड़ियां बेचीं। वियतनाम की विनफास्ट और भारत की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने भी लगभग 1,232-1,232 कारें बेचीं। भारतीय ग्राहकों का इलेक्ट्रिक कारों की तरफ यह झुकाव अचानक नहीं बढ़ा है। इसके पीछे मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध जैसे अंतरराष्ट्रीय कारण भी काम कर रहे हैं, जिससे पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने की आशंका थी और यह सच भी साबित हुआ है, क्योंकि सरकारी तेल कंपनियों ने मई महीने में चौथी बार ईंधन के दाम बढ़ाए हैं।

विनफास्ट की इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत में विनफास्ट कंपनी अपनी मोबिलिटी यूनिट ग्रीन एंड स्मार्ट मोबिलिटी के जरिए पूरी तरह इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी में है। कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में ड्राइवर पार्टनर्स की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुरुआती चरण में करीब 1,000 इलेक्ट्रिक वाहनों को सड़कों पर उतारने की योजना बनाई है। बाद में इसका विस्तार बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे बड़े शहरों तक किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी भविष्य में करीब 10,000 इलेक्ट्रिक वाहनों का बेड़ा तैयार कर सकती है, जिसमें मुख्य रूप से लिमो ग्रीन 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी शामिल होंगी। इस नई सेवा की सबसे बड़ी खासियत कम किराया होगा। जानकारी के अनुसार, यात्रा का शुल्क लगभग 8 रुपये प्रति किलोमीटर रखा जा सकता है, जो मौजूदा टैक्सी सेवाओं की तुलना में सस्ता माना जा रहा है। कंपनी पारंपरिक एग्रीगेटर माडल की जगह कंपनी-स्वामित्व वाले वाहनों और प्रशिक्षित ड्राइवरों का माडल अपनाएगी, जिससे सेवा गुणवत्ता, मेंटेनेंस और चार्जिंग व्यवस्था पर बेहतर नियंत्रण रखा जा सकेगा। इसके अलावा, यात्रियों को सर्ज प्राइसिंग जैसी अतिरिक्त कीमतों का सामना भी नही करना पड़ेगा।

क्रिप्टो बाजार में भारी गिरावट, संस्थागत बिकवाली ने बिटकाइन को 72,000 डालर के नीचे धकेला

नई दिल्ली

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में इन दिनों भारी उथल-पुथल देखी जा रही है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय डिजिटल करेंसी बिटकाइन, 72,000 डालर के अहम मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गई है, जिसने निवेशकों और ट्रेडर्स के बीच खलबली मचा दी है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह क्रिप्टो मार्केट से संस्थागत निवेशकों द्वारा अपना पैसा निकालना माना जा रहा है, जिसने बाजार के सेंटिमेंट को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्पाट बिटकाइन ईटीएफ से आउटफ्लो बाजार में आई इस अचानक और तेज गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह स्पाट बिटकाइन से लगातार होने वाला भारी आउटफ्लो है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में इन ईटीएफ से करीब 2.8 बिलियन डालर का फंड बाहर निकाला जा चुका है। ब्लैकराक जैसे बड़े फंड्स से बड़े पैमाने पर हुई इस बिकवाली ने बाजार पर गहरा दबाव डाला है, जिससे बिटकाइन के दाम तेजी से नीचे आ गए हैं। संस्थागत निवेशकों का यह कदम दर्शाता है कि वे फिलहाल जोखिम लेने से बच रहे हैं या मुनाफावसूली कर रहे हैं।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस गिरावट के पीछे सिर्फ संस्थागत बिकवाली ही नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, बढ़ती ब्याज दरें और बड़े निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली करना भी शामिल है। फिलहाल, ट्रेडर्स और आम निवेशकों को बाजार में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक स्पाट बिटकाइन ईटीएफ में दोबारा बड़े पैमाने पर निवेश शुरू नहीं होता या बाजार में स्थिरता नहीं आती, तब तक अस्थिरता बनी रह सकती है।

पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी घटी : नई दरें 1 जून से लागू होंगी; देश के भीतर ईंधन खरीदने वालों पर कोई असर नहीं

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और हवाई जहाज के ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी घटा दी है। शनिवार को जारी एक सरकारी बयान के अनुसार, यह नई दरें 1 जून से लागू होंगी। हालांकि, घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा एक्साइज ड्यूटी दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी देश के भीतर ईंधन खरीदने वालों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

सरकार की घोषणा के मुताबिक नई एक्सपोर्ट ड्यूटी

पेट्रोल के निर्यात पर ड्यूटी 1.5 रुपए प्रति लीटर तय की गई है।

डीजल के निर्यात पर ड्यूटी 13.5 रुपए प्रति लीटर रखी गई है।

हवाई जहाज के ईंधन के निर्यात पर ड्यूटी 9.5 रुपए प्रति लीटर तय की गई है।

हर 14 दिन में समीक्षा के आधार पर बदलाव इन दरों को हर 15 दिन में रिवाइज किया जाता है। यह बदलाव पिछली समीक्षा के बाद की अवधि के दौरान कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ की औसत अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर आधारित होते हैं।

तेल कंपनियों ने 25 मई को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए थे वहीं तेल कंपनियों ने 25 मई को पेट्रोल 2.61 प्रति लीटर और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा किया था। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.12 और डीजल की कीमत 95.20 हो गई है।

27 मार्च को पेट्रोल-डीजल पर ड्यूटी 10-10 घटाई थी

इससे पहले सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए स्पेशल एक्साइज ड्यूटी में 10-10 की कटौती की थी। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 प्रति लीटर से घटाकर 3, जबकि डीजल पर 10 से शून्य कर दी गई थी। केंद्र सरकार की ओर से एक लीटर पेट्रोल पर कुल 21.90 एक्साइज ड्यूटी वसूली जाती थी।

स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद यह 11.90 रह गई थी। इसी तरह, एक लीटर डीजल पर कुल सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी 17.8 से घटकर 7.8 पर आ गई थी। सरकार का ये फैसला पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए था। इस निर्णय की वजह से तब पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े थे।

क्या होती है एक्सपोर्ट ड्यूटी और एटीएफ

एक्सपोर्ट ड्यूटी: यह एक प्रकार का टैक्स है जो सरकार द्वारा देश से बाहर बेची जाने वाली (निर्यात होने वाली) वस्तुओं पर लगाया जाता है। इसका उद्देश्य घरेलू बाजार में सप्लाई और कीमतों को नियंत्रित रखना होता है।

क्यों घटती-बढ़ती है दरें: जब ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल और ईंधन की कीमतें बदलती हैं, तो घरेलू रिफाइनरियों के मुनाफे और देश में सप्लाई को संतुलित करने के लिए सरकार हर 15 दिन में इस टैक्स को एडजस्ट करती है।

एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल): इसे साधारण भाषा में हवाई जहाज का ईंधन कहा जाता है। यह विशेष रूप से तैयार किया गया केरोसिन आधारित ईंधन होता है, जिसका उपयोग विमानों के टर्बाइन इंजनों को चलाने के लिए किया जाता है।

वलसाड के राहुल जाखड़ ने एशियन यू-20 एथलेटिक्स में डेकाथलान का गोल्ड जीत रचा इतिहास, बनाया राष्ट्रीय रिकार्ड

वापी

गुजरात के खेल जगत के लिए गर्व का क्षण सामने आया है। वलसाड जिले के चरवाड़ा गांव के 18 वर्षीय युवा एथलीट राहुल जाखड़ ने हांगकांग (चीन) में आयोजित 22वीं एशियन यू-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में डेकाथलान स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। राहुल ने न केवल भारत को स्वर्ण पदक दिलाया, बल्कि अंडर-20 वर्ग में नया राष्ट्रीय रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया।

27 से 31 मई तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में राहुल जाखड़ ने एथलेटिक्स की सबसे कठिन मानी जाने वाली डेकाथलान स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया। डेकाथलान में खिलाड़ियों को दो दिनों के दौरान 10 अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लेना होता है, जिनमें 100 मीटर, 400 मीटर, 110 मीटर हर्डल्स, 1500 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शाटपुट, डिस्कस थ्रो, जेवलिन थ्रो और पोल वाल्ट शामिल हैं।

राहुल ने इन सभी स्पर्धाओं में बेहतरीन संतुलन और निरंतरता दिखाते हुए कुल 7,185 अंक हासिल किए। इस प्रदर्शन के साथ वह एशिया के सर्वश्रेष्ठ यू-20 डेकाथलीट बन गए हैं। साथ ही उन्होंने विश्व रैंकिंग में भी शीर्ष-8 खिलाड़ियों में स्थान बना लिया है।मैदान देखकर जागा था एथलीट बनने का सपना

मूल रूप से राजस्थान के सीकर जिले से संबंध रखने वाले राहुल का परिवार पिछले लगभग 30 वर्षों से वलसाड के वापी में रहकर निर्माण व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। राहुल की सफलता की कहानी किसी प्रेरणादायक फिल्मी कथा से कम नहीं है।

कुछ वर्ष पहले राहुल अपने पिता के साथ शाम के समय टहलने निकले थे। एक मैदान में खिलाड़ियों को अभ्यास करते देख उनके मन में एथलीट बनने की इच्छा जागी। अगले ही दिन उन्होंने भी दौड़ का अभ्यास शुरू कर दिया। बाद में स्कूल की ओर से खेल महाकुंभ में भाग लेकर लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता, जिसने उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान दी।राहुल ने अपने खेल करियर की शुरुआत बनासकांठा के गढ़ स्थित जिला स्तरीय खेल विद्यालय में कोच विपुल चौधरी के मार्गदर्शन में की।

न्यूज़ ब्रीफ

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई। आलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा। यदि वह सीओई में निर्धारित सभी फिटनेस मानकों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तभी उन्हें सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आईपीएल के इसी सत्र में पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण दर्द से परेशान रहे। इसी वजह से वह कई मुकाबलों में मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता और टीम प्रबंधन गंभीर है।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी : जुरेल

मुम्बई। राजस्थान रायल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है। आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था। जुरेल ने कहा, एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो। उन्होंने आगे कहा, मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा। इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे। जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है।

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला : सरफराज

मुम्बई। बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी।

विष्णुपुरी टाइटंस ने जीती सिख प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा

निरंजनपुर वारियर्स को 22 रन से हराया ; महिला वर्ग में सरबदत दा भला टीम रही विजेता

इंदौर

चड़दी कला ट्राफी सिख प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा का फाइनल मुकाबला रोमांचक और धूमधाम से खेला गया। विष्णुपुरी के सचखंड मार्ग स्थित गुरु अरजन देव खेल मैदान पर खेली गई इस स्पर्धा के खिताबी मुकाबले में पूरे समाज के हजारों लोग मौजूद रहे। फाइनल मैच के दौरान खूब ढोल-ढमाके और जमकर आतिशबाजी के बीच माहौल बेहद उत्साहजनक रहा।

खिलाड़ियों ने भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस प्रतिष्ठित स्पर्धा का मुख्य खिताब विष्णुपुरी टाइटंस ने निरंजनपुर वारियर्स को 22 रन से हराकर अपने नाम किया। तीसरा स्थान बब्बर शेर इलेवन ने हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में सरबदत दा भला टीम विजेता और पावर्स स्ट्राइकर्स की टीम उपविजेता रही। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए विष्णुपुरी टाइटंस ने निर्धारित 8 ओवर में 6 विकेट खोकर 100 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से सुरिंदर सिंह ने मात्र 17 गेंदों में 5 छक्कों की मदद से 40 रनों की धुआंधार पारी खेली। इसके अलावा रिजाक और सुआंशदीप सिंह ने 17-17 तथा हरविंदर सिंह ने 14 रनों का उपयोगी योगदान दिया। निरंजनपुर वारियर्स की तरफ से गेंदबाजी करते हुए हनी सिंह ने 3 तथा हरमन व सुखविंदर ने 2-2 विकेट झटके। जवाब में 101 रनों के विजयी लक्ष्य का पीछा करने उतरी निरंजनपुर वारियर्स की टीम निर्धारित 8 ओवर में 8 विकेट पर 78 रन ही बना सकी। टीम के लिए हनी सिंह ने 29 और गुंजन छाबड़ा ने 18 रनों की पारियां खेलीं, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। स्पर्धा का पुरस्कार वितरण प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मुख्य आतिथ्य व सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर सिंह सभा के अध्यक्ष हरपाल सिंह भाटिया (मोनू भाटिया), सचिव प्रीतपाल सिंह भाटिया, मध्य प्रदेश पंजाबी साहित्य एकेडमी के निदेशक इंद्रजीत सिंह खनूजा, रणवीर सिंह छाबड़ा, हरप्रीत सिंह बक्शी, अमरजीत सिंह बग्गा, चरणजीत सिंह सैनी, अमरजीत सिंह भाटिया और सुखजिंदर चहल विशेष रूप से उपस्थित थे। फाइनल मैच में 14 रन बनाने के साथ ही 3 विकेट चटकाने वाले विष्णुपुरी टाइटंस के आलराउंडर हरविंदर सिंह को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। समापन अवसर पर अतिथियों द्वारा विजेता विष्णुपुरी टाइटंस को चमचमाती ट्राफी के साथ 51 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही उपविजेता टीम को 31 हजार रुपये और तृतीय स्थान पर रही टीम को 21 हजार रुपये की पुरस्कार राशि सौंपी गई। महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम सरबदत दा भला को 31 हजार रुपये, द्वितीय स्थान की टीम को 21 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 11 हजार रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।

सचिन भी हुए वैभव के प्रशंसक, बोले वह स्लागर नहीं अद्भुत खिलाड़ी, टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं

मुम्बई

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी है और जिस प्रकार वह कलाई के जरिये शाट खेलता है उससे ये साफ है कि वह स्लागर नहीं है। वैभव की धुआंधार खेल शैली से क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक भी हैरान हैं। यहां तक कि सचिन भी उनके प्रशंसक बन गये हैं। सचिन ने एक कार्यक्रम में वैभव की सराहना करते हुए उन्हें अद्भुत खिलाड़ी बताया है। माना जा रहा है तेंदुलकर के इस बयान के बाद वैभव को भारतीय टीम में जगह मिलना लगभग तय हो गया है। इस महान बल्लेबाज ने कहा कि वैभव मैदान के हर कोने में शाट खेल लेता है। इसलिए उसे आप स्लागर नहीं कह सकते हैं। बल्कि वह अन्य खिलाड़ियों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को शुरुआत में ही पकड़ लेते हैं। इसी गहरी समझ के कारण, वह आसानी से बड़े-बड़े छक्के लगा लेते हैं। जिससे पता चलता है कि वह एक परिपक्वता खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि वह वैभव को किसी न किसी स्तर पर टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा पर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। तेंदुलकर ने साथ ही कहा कि हमें इस युवा खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेल का आनंद लेने देना चाहिए और उन पर लगातार यह दबाव नहीं डालना चाहिए कि उन्हें कौन सा फार्मेट खेलना चाहिए या किस टीम में चुना जाना चाहिए। उनके अनुसार ऐसा फैसला उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो इसके लिए जिम्मेदार हैं, जिससे खिलाड़ी बिना किसी अनावश्यक बोझ के अपने खेल पर ध्यान दे सकें। सचिन ने ऐसे ही उनकी तरीफ नहीं की है बल्कि वैभव ने अपने को साबित भी किया है। आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रायल्स के लिए पारी की शुरुआत करते हुए वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें पांच शानदार अर्धशतक और एकशतक शामिल है।

विनेश फोगाट का एशियन गेम्स 2026 में खेलने का सपना टूटा

नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का एशियाई खेल 2026 में जगह बनाने का सपना चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में टूट गया। शनिवार को आयोजित ट्रायल्स में 53 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ 31 वर्षीय विनेश एशियाई खेलों की भारतीय टीम में जगह बनाने से चूक गईं। हालांकि, मुकाबले के बाद उन्होंने हार मानने से इनकार करते हुए वापसी का संकल्प जताया। ट्रायल्स के दौरान विनेश ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले ज्योति को 7-1 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में निशु के खिलाफ मुकाबला काफी रोमांचक और विवादों से भरा रहा। मुकाबले की शुरुआत में निशु ने 5-0 की बढ़त बना ली थी और एक समय विनेश लगभग फाल होने की स्थिति में पहुंच गई थीं। हालांकि, अनुभवी विनेश ने शानदार वापसी की। तकनीकी फैसलों, वीडियो स्क्रीन की तकनीकी दिक्कतों और कोचों की आपत्तियों के बीच मुकाबला बेहद तनावपूर्ण हो गया। स्कोर 6-6 की बराबरी पर पहुंचा तो निशु के एक टेकडाउन प्रयास को अंक नहीं दिए गए।

पाकिस्तान के उभरते क्रिकेटर मिन्हास ने डेब्यू मैच में 5 विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

रावलपिंडी

पाकिस्तान के नये क्रिकेटर अराफात मिन्हास ने अपने पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट लेकर एक नया रिकार्ड बनाया है। 21 साल के स्पिनर मिन्हास ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ रावलपिंडी में खेले गए पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में अपनी घातक गेंदबाजी से मेहमान टीम की बल्लेबाजी धवस्त कर अपनी टीम को जीत दिलायी। इसी के साथ ही वह अपने डेब्यू मैच में पांच विकेट लेने वाले पाकिस्तान के पहले क्रिकेटर बन गये हैं।

इससे पहले किसी भी पाक गेंदबाज ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में इतने विकेट नहीं लिए थे। इसी के साथ ही मिन्हास आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में पांच विकेट लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज भी बन गए हैं। ये भी एक बड़ी उपलब्धि है। अराफात की इस हैरतअंगेज गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने मेहमान आस्ट्रेलिया को महज पांच विकेट से धूल चटाई। मिन्हास के अलावा इस मैच में कप्तान बाबर आजम ने भी शानदार अर्धशतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

मिन्हास ने 14वें ओवर की तीसरी गेंद पर आस्ट्रेलियाई कप्तान जोश इंग्लिस को एलबीडब्ल्यू आउट कर अपना पहला विकेट लिया। इसके केवल दो गेंद बाद ही उन्होंने मार्नस लाबुशेन को भी आउट कर दिया। इसके बाद 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने कैमरन ग्रीन को आउट कर तीसरा विकेट लिया। वहीं आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शार्ट का भी चौथा विकेट लिया। वहीं अंतिम आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर नाथन एलिस को आउट कर अपने पांच विकेट पूरे किये।

गौरतलब है कि मिन्हास से पहले पाक का कोई भी गेंदबाज डेब्यू मैच में चार से अधिक विकेट नहीं ले पाया था। आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय डेब्यू में इससे पहले वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज हेंडी ब्रायन ने साल 1999 में किंग्सटाउन में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे।

एकदिवसीय डेब्यू पर सबसे अच्छे गेंदबाजी आंकड़ों का सर्वकालिक रिकार्ड स्काटलैंड के तेज गेंदबाज चार्ली कैसेल के नाम है, जिन्होंने साल 2024 में ओमान के खिलाफ21 रन देकर 7 विकेट लिए थे।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो

इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमें घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15-सदस्यीय टीम घोषित कर दीहै। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्काटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व में टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेंगी।

टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3-0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

टीम इस प्रकार है :

चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविषा दिलहारी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्राई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फार्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्राई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं। उससे भी चयनसमिति प्रभावित है। उनका निडर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा। भारतीय ए टीम को 9 जून को मेजबान श्रीलंका ए से होगा. इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उसका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी। भारत ए टीम इस प्रकार है : तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युधवीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान।

वसा खाना है आपके लिए अच्छा

आहार और पोषण विशेषज्ञ दोनों ही दादी-नानी की घी-तेल खाने की सलाह को सही मानते हैं। इससे न सिर्फ शरीर की मांसपेशियां व ढांचा मजबूत होते हैं, शरीर की विटामिंस को ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ती है। क्या आप वसा से परहेज रखने की सोच रहे हैं? यदि हां तो एक बार अमेरिकी कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा हाल में जारी आहार निर्देश पर भी गौर करें। उनके अनुसार, हर रोज एक या दो अंडे डाइट में शामिल करना टाइप टू डायबिटीज के खतरे और हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। हमारे शरीर को हर रोज कुछ वसा की जरूरत होती है। इसके बिना शरीर स्वयं से ट्रीग्लिसिराइड, कोलेस्ट्रॉल व अन्य फैटी एसिड नहीं बना पाता। इन्हीं वसा का टूटना शरीर को विकास और अंगों को सुरक्षा देने के लिए ऊर्जा देता है। शरीर वसा में घुलनशील विटामिन्स को बेहतर तरीके से ले पाता है। वनस्पति तेल, घी और मक्खन को अपने आहार में समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। वसा शरीर के मेटाबॉलिज्म, जोड़ व हड्डियों को दुरुस्त रखता है।

घी

आयुर्वेद में प्राचीन समय से गाय के दूध का बना घी उपचार व खाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। सर्वे के अनुसार गाय का घी लिवर में कैंसर के कारक कार्सिनोजेंस का सक्रिय होना कम करता है। सही मात्रा में घी खाने से हृदय रोगों से बचाव होता है। हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आती है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और त्वचा में चमक आती है। हर रोज एक चम्मच घी खाना ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है और वसा की जरूरत को पूरा करता है।

अंडा

अंडे में एमयूएफए और पीयूएफए होते हैं, जो हृदय के लिए लाभकारी हैं। ये विटामिन बी-12 व प्रोटीन से भरपूर होते हैं। सलाद के साथ अंडा खाने से शरीर वसा में घुलनशील कैरेटेनॉएड को ढंग से ले पाता है, जिससे सूजन, दर्द व तनाव कम होता है। बॉडी बिल्डर्स के लिए हर रोज दो और अन्य के लिए हर रोज एक अंडा खाना पर्याप्त है।

मेवा

बादाम, अखरोट और पिस्ते में एमयूएफए प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो रक्तचाप कम करते हैं। ऊर्जा बढ़ाते हैं व कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखते हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं। पहाड़ी बादाम में ओलिक एसिड और मैग्नीशियम अधिक होता है, जो कैंसर की आशंका कम करता है। नियमित चार से छह बादाम, दो अखरोट और छह पिस्ते खाएं।

चीज

एक दिन छोड़ कर 20 ग्राम चीज खाना आपकी वसा की जरूरत को पूरा कर देता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी-12 होते हैं। यह उत्पाद कैल्शियम व प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसकी एक स्लाइस, एक गिलास दूध के बराबर है। चीज नहीं खाते तो सफेद मक्खन, 60 ग्राम तक घरेलू पनीर और 300 ग्राम दही खा सकते हैं।

गर्भवती महिलाएं दें ध्यान

इकतीसवें हफ्ते में बच्चे का वजन बढ़ता रहता है। इस समय उसका वजन करीब साढ़े तीन से चार पाउंड और लंबाई 15 इंच तक होनी चाहिए। बच्चा वसा की परत का विकसित करना जारी रखेगा और हर हफ्ते उसका आधा पाउंड वजन बढ़ता रहेगा। बच्चे के फेफड़े विकसित हो गए है और वे संकुचन द्वारा सांस लेने में सक्षम हो गए हैं। बच्चा अब गर्भ के बाहर की आवाज को स्पष्ट रूप से सुन सकता है।

ग्रीन टी से प्रभावित होती है प्रजनन क्षमता

आमतौर पर लोगों को ग्रीन टी का अधिक शौक होता हैं सामान्य चाय की तुलना में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है। लेकिन ये खबर आपको डरा सकती है। एक शोध से सामने आया है कि इसके लगातार सेवन से प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्रीन टी की बढती लोकप्रियता इसका सेवन करने वालों की संख्या को लगातार बढ़ा रही है जो कि गलत है।

मुश्किल समय में कैसे करें बच्चों की देखभाल

हर किसी के जीवन में सुख-दुख लगा रहता है। ऐसे में खुद को संभालना तो संभव है। लेकिन जब एक माता-पिता की भूमिका में रहते हैं तो बच्चों की खास देखभाल करनी होती है। हर परिवार में कभी ना कभी कुछ मुश्किल परिस्थितियां पैदा होती हैं जिनके साथ बच्चों की देखभाल करना मुश्किल हो सकता है। किसी की मृत्यु, बीमारी, तलाक या आर्थिक समस्याएं वो है जिनके बारे में बच्चों को कुछ नहीं बताया या समझाया नहीं जा सकता है। बच्चों के बाल मन पर इसका विपरीत असर ना हो इसलिए आपको खास देखभाल करनी चाहिए।

बच्चों को मुश्किलों से बचाएं

अभिभावक होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को दुनिया की भयानक सच्चाई से बचा कर रखें। आपको हर उस चीज से अपने बच्चे को बचाना चाहिए जो उसे नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन हम में से ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं। अगर जीवन में दुख, दर्द, निराशा, असफलता है तो इन सबको हरा कर ही आपको खुशी, सफलता और उम्मीद की किरण भी मिलती है। जीवन में दुख-सुख तो लगे ही रहते हैं लेकिन आपको इन परिस्थितियों से लड़ना आना चाहिए। ध्यान रखिए आप अपने बच्चों के सामने जैसा करेंगे वो वैसा ही सीखेंगे। अगर आप दुख की घड़ी में बिना विचलित हुए अपने बच्चे को अच्छी देखभाल करते हैं तो यह गुण उसमें भी जरूर आएगा।

खुद की देखभाल जरूरी है

बच्चों का खयाल रखने से पहले जरूरी है कि आप खुद का खयाल रखें। अगर आप खुद ठीक नहीं रहेंगे तो बच्चों को कैसे संभाल पाएंगे। अकसर ऐसा होता कि कठिन परिस्थितियों के दौरान आप खाना-पीना छोड़ देते हैं जिससे आपको कमजोरी, चिंता, थकान और चक्कर की समस्या होती है। ऐसे में आप अपने बच्चों की देखभाल कैसे कर पाएंगे। इसलिए पहले खुद को संभालना सीखें जिससे आपके बच्चे की परवरिश पर कोई असर ना हो।

मदद लेने में नहीं है बुराई

अगर इस दौरान खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं तो किसी से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है। आप चाहें तो परिवार में किसी सदस्य या दोस्त की मदद ले सकते हैं। इसके अलावा किसी काउंसलर की मदद लेना भी अच्छा विकल्प है। अगर आपका बच्चा थोड़ा समझदार है तो उसे अपनी समस्या के बारे में बताने में कोई बुराई नहीं है लेकिन अगर बच्चा छोटा है तो उसके साथ हंसने, खेलने से भी आपको दिमागी सुकून मिलता है।

बच्चे के साथ समय बिताएं

इस मुश्किल और तनावपूर्ण समय में अपने बच्चे के साथ समय बीताना भी जरूरी है जैसे उसे पार्क में ले जाना या उसकी मनपसंद आइसक्रीम खिलाने के लिए ले जाना। हो सकता है कि यह सब कुछ करने के लिए आप खुद को तैयार नहीं कर पा रहे हो लेकिन बच्चा इस चीज को नहीं समझ सकता है। इसलिए अगर आप कुछ देर के लिए अपना दुख भूलकर उसकी खुशी में खुश होगें तो आपको भी अच्छा लगेगा।

अदरक कई बीमारियों के लिए रामबाण

अदरक सिर्फ स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि दवा के रूप में भी काम में आता है। अदरक के उपयोग से कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

वजन कम करना- अदरक में थर्मोजेनिक एजेंट नामक तत्व होता है जो वसा को खत्म करने में मदद करता है, जिससे वजन आसानी से कम होता है।

बुखार में आराम- अदरक से बुखार में भी आराम मिलता है। शहद के साथ इसे खाने से बुखार कम होता है।

जोड़ों के दर्द में राहत- अदरक को सुखाकर उसे जायफल के साथ पीसकर तिल के तेल में डालकर पेस्ट बनाया जाता है, उस पेस्ट को जोड़ों पर लगाने से आराम मिल सकता है।

गैस की समस्या से निजात- पिसी हुई सोंठ और कैरम के बीजों को नींबू के रस में भिगोकर छाया में सुखाकर प्रतिदिन सुबह लेने से गैस और पेडू के दर्द में आराम मिलता है।

सिरदर्द और बदन दर्द से राहत- सिरदर्द, माइग्रेन, गर्दन और शरीर का दर्द होने पर सूखी अदरक और पानी का लेप बनाकर लगाने से आराम मिलता है।

उल्टी रोकने में सहायक

जी मचलाने, ठण्ड में पसीना आने, चक्कर आने और उल्टी आने जैसी समस्याओं को कम करने में यह बेहद फायदेमंद है।

कैंसर को बढ़ने से राकता है

इसमें कैंसररोधी गुण भी मौजूद होते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं।

पेट दर्द और कब्ज से राहत

पेट दर्द, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में इसे पीसकर हींग और सेंधा नमक के साथ लेने से आराम मिलता है।

लकवे का प्रभाव कम करता है

लकवे के प्रभाव को कम करने के लिए सूखी अदरक का पाउडर, जिगरी और गर्म मसूर की दाल को मिलाकर खाने से फायदा होता है।

आपका फैशन स्टेटमेंट बनेगा स्टाइलिश

मल्टी-टास्किंग रेड कलर से दिखेंगी हॉट

रेड कलर फैशन स्टेटमेंट बन चुका है और यह जल्दी ट्रेंड से जाने वाला भी नहीं। यगंस्टर्स इसके काफी क्रेजी होते हैं। वे रेड के जरिए खुद को ज्यादा हॉट साबित करने की कोशिश करते हैं। अब जबकि टंड कुछ-कुछ बढ़ने लगी है, रेड से आप अपना फैशन स्टेटमेंट कुछ ज्यादा स्टाइलिश बना सकती हैं। जब बात की जाए मेकअप की तो रेड कलर से बेहतर और कोई नहीं हो सकता। इस सीजन में तो यह कलर मल्टी-टास्किंग बन चुका है। यह सिर्फ होंठो पर नहीं दिखता, बल्कि गालों और आंखों को भी खूबसूरत लुक देता है।

स्किन के अनुसार करें सिलेक्शन

रोजी लिप्स: अगर आपको लिप कलर से बोल्ड दिखने का शौक है तो, आप रेड कलर की लिपिस्टक लगा सकती हैं। रेड लिपिस्टक कई शेड्स में अवेलेबल हैं, जिसे पसंद व स्किन टोन के अनुसार सिलेक्ट किया जा सकता है। अगर आप रेड लिपिस्टक लगा रही हैं तो आई मेकअप लाइट रखें, अगर लिप और आई मेकअप दोनों डार्क होंगे तो लुक लाउड लगेगा।

मैट लिप्स: आप अगर स्पॉट लाइट एंजॉय करती हैं तो मैट शेड आपके लिए बेहतरीन चॉइस है। इससे यह पता चल जाता है कि आप कूल हैं या हॉट। जब आप रेड कलर की मैट लिपिस्टक खरीदने जाएं तो उन पर यह लिखा हुआ जरूर चेक करें, जैसे मैट, 18 घंटे या लॉन्ग लास्टिंग और शीयर या सैमीमैट को अवॉयड करें।

फाउंडेशन के साथ लगाएं पाउडर

ग्लासी लिप्स: अगर आपको ड्रामा पसंद है तो आपके लिए बैस्ट ऑपशन है ग्लॉसी रेड लिपिस्टक। यह आजकल फैशन में भी है। ग्लॉसी रेड लिपिस्टक सेक्सी व बोल्ड लुक देती है और अट्रैक्टिव भी लगती है। ग्लॉसी लिप्स मैट कॉम्पलेक्शन के साथ बेहतरीन दिखते हैं। मैट फिनिश कॉम्लैक्शन के लिए अपने फाउंडेशन के साथ पाउडर का इस्तेमाल करें।

चैरी चीक्स: ब्लश गालों की शेप और चेहरे की रंगत को उभारता है। इसे आमतौर पर गालों के उभार वाले हिस्से पर लगाया जाता है। अगर लाइटली ब्लश अप्लाई किया जाए, तो चीक्स को यूथफुल और नैचुरल लालिमा मिलती है। पाउडर ब्लश लगाने में ब्रश का इस्तेमाल करें। क्रीम ब्लश लगाने में स्पंज का इस्तेमाल करें।

ऑटिज्म जैनेटिक नहीं मेडिकल समस्या, इलाज संभव

आटिज्म पिछले कुछ दशकों से एक गंभीर समस्या बनी हुई है। अमेरिका में यह अनुपात 1975 से पहले 5 हजार बच्चों में से एक बच्चा था जो 2015 में पहुंचते-पहुंचते 50 बच्चों के पीछे एक हो गया- 40 सालों में 100 गुना ज्यादा बढ़ोतरी। एक अनुमान के अनुसार अमेरिका में प्रत्येक वर्ष इन बच्चों की गिनती में 10-17 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है, जबकि भारत में इन बच्चों की संख्या कहीं ज्यादा है। भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार, 2.4 मेल और 2.0 फीमेल एक या एक से ज्यादा किस्म की अपंगता के शिकार हैं। उत्तरी भारत में इन बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर एक शहर और छावनी में इन बच्चों के लिए सेंटर खुल गए हैं। प्रत्येक सेंटर में इन बच्चों की संख्या 30-50 है। ऑटिज्म का इलाज अब संभव हो गया है।

ऑटिज्म के मुख्य लक्षण...

यह बच्चे अपने आप में मस्त रहते है, हड़बड़ाहट, इधर-उधर घूमते रहते हैं,आंखों से आंखें मिलाकर बात नहीं करते, दूसरों की बातों में ध्यान ना देना, बार-बार सूंघना, बिना मतलब हंसना-रोना, एक ही हरकत को बार-बार करना, हाथों को हिलाना, उछलते-कूदते रहना, इनकी समझ कम होती है या बातों का जवाब नहीं दे सकते, खिलौने को फेंकते हैं या तोड़ते हैं, बहुत ज्यादा हाईपर होते है, दूसरों से व्यवहार अच्छी तरह नहीं करते आदि।

लक्षणों को जानने के बाद होता है इलाज

'डीफीट ऑटिज्म नाउ' के अनुसार इन बच्चों का ईलाज पूरी तरह संभव है पर इसके लिए पहले बच्चे के बायोमेडिकल ईलाज, जिसमें सबसे पहले बच्चे के लक्षणों की जांच होती है। फिर लक्षणों का कारण जानने के लिए अलग-2 लैब टेस्ट में से गुजारा जाता है। टेस्टों के आधार पर अलग-2 डॉक्टर जैसे- बच्चों के माहिर, एलोपैथि डॉक्टर, नैचरोपैथ, आयुर्वेद, डायटीशीयन, कैरलथेरापीस्ट, न्युरोथेरापिस्ट, करेनियोसेकरल थैरेपिस्ट एक ही थ्योरी पे चलते हुए काम करते है, व लक्षणों की गहराई में जाकर इलाज करते हैं, जिससे बच्चों के अंदर कुदरती तौर पर सुधार आने लगता है।

ऐसे होता है बीमारी में सुधार...

ऑटिज्म सिर्फ जीन्स की बीमारी नहीं, इसी तरह इसको सिर्फ दिमाग की बीमारी समझना भी वैज्ञानिक भूल है। आटिज्म पूरे शरीर की बीमारी है, आटिज्म से पीड़ित बच्चों में और भी अनेक अंगों के नुक्स होते हैं, जैसे- शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होना, बार-2 आंत की सोजस होना, पाचन शक्ति कम होना, भारी धातुओं (जैसे- लैड, आरसैनिक, अल्युमिनीयम, पारा, कैडमियम, बेरियम) का ज्यादा होना व पोषक तत्वों का कम होना आदि। जब भारी धातुओं की मात्रा शरीर में बढ़ जाती है तो यह शरीर की कैमिकल व हार्मोन की संरचना को बिगाड़ देती है। जिसका सीधा असर दिमाग के ऊपर होता है। जैसे-2 ये भारी धातुएं शरीर से किलेशन प्रणाली द्वारा बाहर निकाल दिए जाते है।

रेसिपी

अचारी पनीर टिक्का

सामग्री

अचारी मॅरीनेड के लिए: 1/2 कप चक्का दही, 1 टेबल-स्पून हरीमिर्च का आचार, 1 टी-स्पून कटा लहसुन, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून मेथी दाना, 1/4 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून राई का तेल, नमक, स्वाद अनुसार

अन्य सामग्री: 2 कप 37 एमएम के चकोर टुकड़ो में कटा पनीर

परोसने के लिए: दहीं वाली पुदीना चटनी

विधि

अचारी मॅरीनेड के लिए: दही, हरी मिर्च का आचार और लहसुन को मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लीजिए। एक बाउल में निकालकर एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सारी सामग्री को ब्लैंडर में डालकर दरदरा पीस लीजिए। दरदरे पिसे पाउडर और दही के पेस्ट को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। एक तरफ रख दीजिए। **कैसे आगे बढ़े:** एक बाउल में पनीर और अचारी मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। मॅरीनेड किए हुए पनीर के टुकडों को स्कीवर में पिरोकर चारों तरफ से भूरा होने तक बारबेक्यू पर ग्रिल कीजिए। स्कीवर में से निकालकर दहींवाली पुदीना चटनी के साथ परोसिए। **सुलभ सुझाव:** यदि आपके पास हरीमिर्च का आचार नही है तो इस व्यंजन को बनाने के लिए आप किसी भी अन्य अपने मनपसंद आचार का प्रयोग कर सकते है।

आलू चीज क्रोकैट्स्

सामग्री

मिलाकर चीजी भरवां मिश्रण बनाने के लिए: 2 टेबल-स्पून कसा हुआ मोजरैला चीज, 2 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रौसेस्ड चीज, 3 टेबल-स्पून चिली-गार्लिक सॉस,

अन्य सामग्री: 4 कप उबले, छिले और मसले हुए आलू, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून ताजी पीसी हुई कालीमिर्च, 1/2 कप मैदा, 3/4 कप ब्रेड क्रम्बस्, रोल करने के लिए, तेल, तलने के लिए

विधि

आलू, नमक और काली मिर्च को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, हर भाग के छोटे गोले बना लें। बीच से थोड़ा दबाकर गड्ढा बना लें। चीजी मिश्रण का 1 टी-स्पून रखकर दुबारा लंबे गोल आकार का बना लें। मैदा और 3/4 कप पानी को अच्छी तरह मिलाकर एकसर मिश्रण बना लें। प्रत्येक क्रोकेट को मैदा-पानी के मिश्रण में डुबोकर ब्रेड क्रमबस् में सभी तरफ से रोल कर लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम करें और क्रौकेट्स् लडालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**